कोटद्वार, रविवार
7 जुलाई 2024
वर्ष: 46
अंक: 74 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

कांवड़ यात्रा, मोहर्रम को लेकर पुलिस करेगी व्यापक इंतजाम, सुरक्षा को लेकर की बैठक

नोएडा ,नोएडा पुलिस ने आने वाले दिनों में कांवड़ यात्रा और मोहर्रम को देखते हुए व्यापक इंतजाम शुरू कर दिए हैं। सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद करने के लिए अधिकारी लगातार लोगों के बीच बैठक कर रहे हैं। नोएडा के हर जोन में बैठक कर पुलिसकर्मी लोगों को नए कानून की जानकारी दे रहे हैं। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्ध नगर लक्ष्मी सिंह के निर्देशानुसार डीसीपी नोएडा रामबदन सिंह की देखरेख में और एडीसीपी नोएडा मनीष कुमार मिश्र के निर्देशन में एसीपी नोएडा–1 प्रवीण कुमार ने थाना सेक्टर 39 क्षेत्र में आगामी कांवड यात्रा, मोहर्रम तथा तीनों नये कानूनों के संबंध में पदाधिकारियों व नागरिकों के साथ बैठक कर उन्हें जागरूक किया।प्रवीण कुमार ने तीनों नये कानूनों (भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम–2023) में महत्वपूर्ण बदलावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस बीच उन्होंने कहा कि नये कानून आमजन की सुविधा के लिए बनाये गये हैं। तीनों नये कानूनों की मदद से पीड़ितों को तुरंत न्याय मिलेगा। नए कानून से आम जनता को कोई भी परेशानी नहीं होगी। अब मुकदमा दर्ज करना काफी आसान हो जाएगा और लोगों को सहूलियत भी होगी। गौरतलब है कि मोहर्रम 7 जुलाई से शुरू हो रहे हैं और कावड़ यात्रा 22 जुलाई से लेकर 2 अगस्त तक चलेगी। इसको ध्यान में रखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरीके से सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद करने में लगा है। कावड़ यात्रा में लाखों श्रद्धालु नोएडा से होते हुए हरिद्वार की तरफ जाते हैं। कावड़ यात्रा के दौरान ट्रैफिक डायवर्जन भी किया जाएगा, जिसके लिए प्लान अभी से तैयार किया जा रहा है।

राज्य में रविवार को भारी बारिश का पूर्वानुमान

देहरादून। राज्य में रविवार को भारी बारिश के पूर्वानुमान के मद्देनजर आपदा प्रबंधन विभाग ने अल्मोड़ा, बागेश्वर, चम्पावत, नैनीताल, पिथौरागढ़, यूएसनगर, पौड़ी, चमोली और रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन को अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। शनिवार को राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के ड्यूटी अधिकारी उपसचिव अनिल कुमार पांडे ने नौ जिलों को एडवाइजरी जारी की। उन्होंने कहा कि रविवार को इन जिलों में भारी और बहुत भारी बारिश हो सकती है। इसे देखते हुए तत्काल फौरी इंतजामात कर लिए जाएं। इस अवधि में किसी भी अधिकारी, कर्मचारी के मोबाईल और फोन स्विच ऑफ नहीं रहेंगे। असामान्य मौसम, भारी वर्षा की चेतावनियों के दौरान उच्च हिमालयी क्षेत्रों में पर्यटकों की आवाजाही की अनुमति नहीं दी जाएगी।

बारिश के कारण गिरी दीवार, मकानों को खतरा

विकासनगर। भारी वर्षा के बाद शनिवार दोपहर छावनी क्षेत्र के मुख्य डाकघर और चर्च के समीप एक बड़ी सुरक्षा दीवार भरभरा कर गिर गई। दीवार गिरने से ऊपर बने मकानों को और डाकघर के कमरों को भी खतरा पैदा हो गया है। बीते सोमवार से चकराता क्षेत्र में रोजाना बारिश हो रही है। इसके चलते रविवार दोपहर बारह बजे के आसपास मुख्य डाकघर के समीप स्थित घरों के नीचे बनी बड़ी सुरक्षा दीवार भरभरा कर गिर गई। दीवार गिरने से ऊपर स्थित डाक कर्मचारियों और स्थानीय लोगों के आवास तक जाने वाले मार्ग के किनारे लगी रेलिंग भी टूट गई और मार्ग भी बंद हो गया। स्थानीय निवासी छावनी परिषद के पूर्व सदस्य कमल रावत, संदीप रावत, लाल बहादुर गुरुंग, कमलेश, महावीर आदि का कहना है कि दीवार गिरने से उनके आवास को भी खतरा पैदा हो गया है। साथ ही रास्ता भी बंद हो गया है। कहा कि इसकी सूचना उन्होंने कैंट प्रशासन को भेज उचित कदम उठाने की मांग की है। संपर्क करने पर मुख्य अधिशासी अधिकारी छावनी परिषद आरएन मंडल ने कहा कि टीम को मौके पर भेजकर नुकसान की रिपोर्ट मांगी गई है।

भारी बारिश के चलते अमरनाथ यात्रा अस्थायी रूप से रोकी

श्रीनगर ,जम्मू–कश्मीर में भारी बारिश के कारण शनिवार को अमरनाथ तीर्थयात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। उत्तर और दक्षिण कश्मीर के दोनों बेस कैंप से चलने वाली यात्रा को फिलहाल रोक दिया गया है।अधिकारियों ने कहा कि भारी बारिश के कारण उत्तरी कश्मीर के बालटाल और दक्षिण कश्मीर के नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप से यात्रियों की आवाजाही अस्थायी रूप से रोक दी गई है।बालटाल बेस कैंप से यात्रियों को गुफा मंदिर तक पैदल या टट्टुओं पर 14 किलोमीटर लंबा रास्ता तय करना पड़ता है, जबकि पारंपरिक नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप से जाने वालों को 48 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है, जिसमें चार दिन एक तरफ से लगते हैं।

तीर्थयात्रियों की बाइक पर पहाड़ से गिरी चट्टान, दो की दर्दनाक मौत

● बदरीनाथ धाम की यात्रा कर लौट रहे थे बाइक सवार

गोपेश्वर। बदरीनाथ धाम की यात्रा कर लौट रहे बाइक सवार दो तीर्थ यात्रियों की भूस्खलन की चपेट में आने से मृत्यु हो गई। कर्णप्रयाग से गौचर के मध्य चटवा पीपील के पास यह हादसा हुआ। पहाड़ी से हुए भूस्खलन में दोनों तीर्थयात्री बाइक समेत दब गए।

थाना कर्णप्रयाग क्षेत्र अंतर्गत बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर गौचर–कर्णप्रयाग के मध्य गलनाऊं के समीप पहाड़ी से गिरे चट्टान की चपेट में आने से बदरीनाथ यात्रा कर लौट रहे हैदराबाद के दो मोटरसाइकिल सवार तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। शनिवार सुबह दस बजकर बीस मिनट पर हुए हादसे की सूचना जैसे ही पुलिस को मिली मौके पर पहुंचे पुलिस–प्रशासन और एसडीआरएफ टीम ने घटना का जायजा लिया और राजमार्ग पर जेसीबी की मदद से चट्टान के नीचे बाइक के साथ दबे

मृतकों को निकाल यातायात बहाल किया। थाना प्रभारी कर्णप्रयाग देवेन्द्र सिह रावत ने बताया शनिवार की सुबह दूरभाष पर हादसे की खबर मिली कि बदरीनाथ हाईवे पर कर्णप्रयाग से गौचर के बीच चटवा पीपल के पास एक बुलेट मोटर साइकिल पर चट्टान गिरने से बदरीनाथ यात्रा से लौट रहे दो लोगों की मौके पर मौत हो गई है। मौके पर पहुंचे पुलिस और एसडीआरएफ टीम ने किसी तरह मृतकों के शव को चट्टान से निकाला और शवों को कर्णप्रयाग उपजिला चिकित्सालय की मोर्चरी पहुंचाया। थाना प्रभारी ने बताया निर्मल शाही उम्र 36 पुत्र रामकृष्ण और सत्य नारायण पुत्र धरा मल्लय्या उम्र 50 निवासी 132/ 48 /ए/1 स्कंदगिरी मंदिर सीतापहलमंडी, हैदराबाद की दबकर मौत हो गई है। थाना प्रभारी ने बताया दो अलग–अलग बाइक पर चार लोग यात्रा कर वापस लौट रहे थे कि हादसा हो गया। साथ में चल रहे मृतक निर्मल का भाई और अन्य सवार इनसे आगे निकल गए थे। वह सूचना के बाद घटनास्थल पर पहुंचे और मृतकों की शिनाख्त की। दोनों मृतकों के पोस्टमॉर्टम के बाद शवों को साथ में चल रहे उनके स्वजन और साथियों के सपुर्द किया जाएगा।

मोदी सरनेम पर आपत्तिजनक टिप्पणी केस में राहुल गांधी रांची कोर्ट में नहीं हुए हाजिर

रांची ,मोदी सरनेम को लेकर कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी से जुड़े मानहानि केस में कांग्रेस नेता राहुल गांधी रांची के एमपी–एमएलए स्पेशल कोर्ट में हाजिर नहीं हुए। कोर्ट ने इस केस में चार्ज फ्रेम करने पर बहस के लिए आज की तारीख तय की थी और इस दौरान बयान दर्ज कराने के लिए कोर्ट में राहुल गांधी को निजी तौर पर उपस्थित होना था। सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता के वकील ने कोर्ट से राहुल गांधी के खिलाफ वारंट जारी करने की मांग की। इसपर कोर्ट ने कहा कि राहुल गांधी को भेजा गया समन मिला है या नहीं, इसकी सर्विस रिपोर्ट नहीं मिली है। ऐसी स्थिति में वारंट जारी नहीं किया जा सकता।

कोर्ट ने इस मामले में राहुल गांधी की उपस्थिति के लिए अगली तिथि निर्धारित की है। यह केस रांची के लालपुर निवासी एडवोकेट प्रदीप मोदी ने 23 अप्रैल 2019 को दर्ज कराया था। सिविल कोर्ट में दर्ज शिकायतवाद के अनुसार, राहुल गांधी ने रांची में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा था कि मोदी सरनेम वाले सभी लोग चोर होते हैं। शिकायतवाद में कहा गया है कि राहुल गांधी की इस टिप्पणी से पूरा मोदी समाज आहत है। इसलिए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। रांची सिविल कोर्ट ने इस मामले को 30 सितंबर 2021 को एमपी एमएलए कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया था। इसके बाद कोर्ट ने राहुल के खिलाफ समन जारी किया।

बारिश बनी आफत, पुश्ता टूटा, पांच वाहन दबे

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : शनिवार की सुबह हुई बारिश ने पूरे क्षेत्र के लोगों को आफत में डाल दिया। भारी बारिश से पौड़ी-श्रीनगर रोड पर कृषि विभाग के पास सड़क का पुश्ता टूटने से यहां पर खड़े 4 से 5 दुपहिया वाहन मलबे में दब गए है। कड़ी मशक्कत के बाद लोगों ने अपने वाहन मलबे से निकाले। लोगों ने आरोप लगाया कि मानसून को लेकर जिला प्रशासन ने कोई तैयारी नहीं की है, जिसका खामियाजा लोगों को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने लापरवाही बरतने वाले अफसरों के खिलाफ कड़ी कारवाई की मांग उठाई है।

लगातार हो रही बारिश से शहर में जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। भारी बारिश से शनिवार को पौड़ी-श्रीनगर रोड पर कृषि विभाग के पास सड़क का पुश्ता टूटने से यहा पर खड़ी 4 से 5 दोपहिया वाहन मलबे में दब गए है। कड़ी मशक्कत

के बाद लोगो द्वारा अपने वाहन यहा से निकाले गए। वाहनों के मलबे में दब जाने से लोगो को नुकसान भी उठाना पड़ा है। पुश्ता टूटने से यहां पर सरकारी आवास को भी नुकसान पहुंचा है। सरकारी आवास में परिवार के साथ रह रहे जिला एवं अर्थ सांख्यिकी अधिकारी राम सलोने ने आवास खाली कर दिया है। स्थानीय निवासी दिनेश सिंह, आशीष, जितेंद्र आदि का कहना है कि यहां पर पानी की निकासी नहीं होने से लगातार पानी आ रहा था। जिससे सड़क का पुश्ता गिर गया। वहीं, बारिश से शनिवार को जिले के 27 मोटरमार्गों पर यातायात ठप रहा। जिसमें 4 राज्य मार्ग, मुख्य जिला मार्ग व 22 ग्रामीण मोटरमार्ग शामिल रहे। जिले के राज्य मार्ग लक्ष्मणझूला-धुमाकोट, मरचूला-सराईखेत, थलीसैंण-डोटियाल, कर्णप्रयाग-नौटी-पैठाणी आदि मोटरमार्ग बंद रहे।

23 जुलाई को पेश होगा मोदी 3.0 का पहला बजट

● मिडिल क्लास को बड़े तोहफे की उम्मीद

नई दिल्ली ,वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वित्त वर्ष 2024–25 के लिए आम बजट 23 जुलाई को पेश करेंगी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को यह जानकारी दी। संसद का बजट सत्र 22 जुलाई को शुरू होगा और 12 अगस्त तक चलेगा।केंद्रीय मंत्री की ओर से एक्स पर की गई एक पोस्ट में लिखा गया कि भारत सरकार के सुझाव पर आदरणीय राष्ट्रपति जी ने संसद के दोनों सदनों में 22 जुलाई से लेकर 12 अगस्त तक बजट सत्र रखने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय बजट 23 जुलाई, 2024 को लोकसभा में पेश किया जाएगा।बता दें, भारत में जिस वर्ष लोकसभा चुनाव होते हैं। उस दौरान एक बजट चुनाव से पहले और एक बजट चुनाव के बाद पेश किया जाता है। चुनाव के पहले पेश होने वाले बजट को अंतरिम बजट कहा जाता है। ये आमतौर पर सरकार की आय और व्यय का लेखा जोखा होता है। चुनाव के बाद नई सरकार पूर्ण बजट पेश करती है।

यह अन्य वर्षों के बजट की तरह होता है। 23 जुलाई को आने वाला आम बजट मोदी 3.0 का पहला बजट होगा। इसके जरिए सरकार की दिशा और नीतियों की जानकारी मिलेगी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा 2.1 लाख करोड़ रुपये का डिविडेंड दिए जाने और कम राजस्व घाटे के चलते सरकार के पास कल्याणकारी योजनाओं पर खर्च करने के लिए काफी जगह है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से पहले ही ऐलान किया जा चुका है कि गरीबी के खिलाफ लडऩे के लिए अगले पांच वर्ष काफी अहम होने वाले हैं।

बारिश के बीच काल बनकर गिर रही बिजली, वज्रपात से 9 लोगों की मौत

पटना ,बिहार के विभिन्न जिलों में पिछले 24 घंटों के दौरान वज्रपात की चपेट में आने से नौ लोगों की मौत हो गई। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मृतकों के आश्रितों को चार–चार लाख रुपये अविलंब अनुग्रह अनुदान देने का निर्देश दिया है। आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक, पिछले 24 घंटे के दौरान वज्रपात की चपेट में आने से जहानाबाद में तीन और मधेपुरा में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि पूर्वी चंपारण, रोहतास, सारण तथा सुपौल में एक –एक व्यक्ति को जान गंवानी पड़ी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इन घटनाओं पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में वे प्रभावित परिवारों के साथ हैं।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को शनिवार को ही चार–चार लाख रुपये अनुग्रह अनुदान देने के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की है कि सभी लोग खराब मौसम में पूरी सतर्कता बरतें। खराब मौसम होने पर वज्रपात से बचाव के लिये आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय–समय पर जारी किये गये सुझावों का अनुपालन करें।

मुख्यमंत्री ने दी चार मोबाईल सांइस लैब की सौगात

● सीएम ने राज्य की पहली लैब ऑन व्हील्स-मोबाइल साइंस लैब को दिखाई हरी झंडी

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में पढ़ रहे छात्र-छात्राओं को लैब ऑन व्हील्स के माध्यम से चार मोबाईल सांइस लैब की सौगात दी गई है। शनिवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित कैम्प कार्यालय में पहले मोबाईल सांइस लैब के विज्ञान मॉडलों का अवलोकन करते हुए चारों मोबाईल साइंस लैब को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विज्ञान मॉडलों को प्रदर्शित कर रहें पीएम श्री राजकीय इण्टर कॉलेज भीमावाला के छात्र-छात्राओं के साथ संवाद भी स्थापित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के दूर-दराज के क्षेत्रों में मोबाइल साइंस लैब की उपलब्धता छात्रों को विज्ञान की आधुनिकता से जोड़ने में सहायक होगी। कहा कि इसके विज्ञान आधारित विषयों की जानकारी मोबाइल वेन के माध्यम से छात्रों को उपलब्ध होगी, उन्होंने इस योजना को छात्रों के व्यापक हित में बताया। यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत ने बताया कि लैब ऑन व्हील्स

के माध्यम से राज्य के ग्रामीण/दूरस्थ क्षेत्रों में विज्ञान को लोकप्रिय बनाने और विज्ञान संचार गतिविधियों को बढ़ावा देने कार्य किया जाना है। उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) एवं अगस्त्या इंटरनेशनल के सहयोग से इस परियोजना के अंतर्गत प्रयोगशाला, व्यावहारिक प्रदर्शनों /मॉडलों, विज्ञान गतिविधियों और प्रदर्शनों के माध्यम से प्रदेश के कक्षा छः से दसवीं तक के छात्र-छात्राओं को जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिकी, गणित आदि विषयों के पाठ्यक्रम को और अच्छे से सीखने एवं समझ पाने का अवसर प्रदान किया जाएगा।

प्रो. पंत ने कहा कि प्रदेश में परियोजना का संचालन दो चरणों में किया जा रहा है, प्रथम चरण में राज्य के 04 जिलों क्रमशः चम्पावत, अल्मोड़ा, देहरादून एवं पौड़ी में लैब ऑन व्हील्स का संचालन किया जा रहा है जिसके पश्चात दूसरे चरण में राज्य के सभी जनपदों में परियोजना का संचालन किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सचिव नितेश झा, महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा बंशीधर तिवारी ने भी लैब ऑन व्हील्स में प्रदर्शित विभिन्न विज्ञान आधारित मॉडलों का अवलोकन किया एवं छात्र-छात्राओं के साथ संवाद किया।

राजनीतिक षड्यंत्र का शिकार हुए अरविंद केजरीवाल, पत्नी सुनीता केजरीवाल का बड़ा दावा

नई दिल्ली ,दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बचाव में उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल का बयान सामने आया है। अपने वीडियो में सुनीता केजरीवाल ने मागुंटा श्रीनिवास रेड्डी (एमएसआर) के बयान की कहानी सुनाई है। सुनीता केजरीवाल ने बताया कि अरविंद केजरीवाल को मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी यानी एमएसआर की झूठी गवाही पर गिरफ्तार किया गया।

सुनीता केजरीवाल ने कहा कि रेड्डी एनडीए के सांसद हैं और आंध्र प्रदेश से आते हैं। मगुंटा रेड्डी ने ईडी के सामने झूठा बयान दिया। पहले उन्होंने खुद कहा था कि उनकी 16 मार्च, 2021 को अरविंद केजरीवाल से पहली और आखिरी बार दिल्ली सचिवालय में मुलाकात हुई थी। मगुंटा दिल्ली में एक चैरिटेबल फैमिली ट्रस्ट खोलना चाहते थे। जिसके लिए जमीन के सिलसिले में उन्होंने अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की थी। सुनीता केजरीवाल ने

बताया कि इस मुलाकात के दौरान अरविंद केजरीवाल ने एमएसआर (मगुंटा रेड्डी) से कहा था कि जमीन का मामला एलजी के पास है। आप एप्लीकेशन दे दीजिए फिर भी हम देखते हैं कि क्या किया जा सकता है। इतना कहकर अरविंद केजरीवाल चले गए थे। सुनीता केजरीवाल के मुताबिक एमएसआर ने ईडी को जब अपना यह बयान बताया तो ईडी को उनका यह जवाब बिल्कुल पसंद नहीं आया। इसके बाद उनके बेटे को दोबारा गिरफ्तार कर लिया गया। एमएसआर अपना पहले वाला बयान ही दोहराते रहे क्योंकि वह सच था और उनके बेटे राघव रेड्डी की बेल कैंसिल होती गई।

सुनीता केजरीवाल ने कहा है कि इस दौरान राघव की पत्नी ने आत्महत्या करने की भी कोशिश की और उनकी बूढ़ी मां बीमार हो गई। इन सबको देखते हुए राघव का पिता टूट गए। 17 जुलाई 2023 को पिता एमएसआर ने ईडी में अपना बयान बदल दिया। इस बार अपने बयान में एमएसआर ने कहा, मैं दिल्ली में जब अरविंद केजरीवाल से मिला था तो उनके कमरे में 10–12 लोग बैठे हुए थे। मैं कमरे के अंदर घुसा तो उन्होंने मुझसे कहा कि आप दिल्ली में शराब का व्यापार शुरू करो और बदले में आम आदमी पार्टी को 100 करोड़ रुपए दे दो।

कोटा पहुंचे ओम बिरला, कहा– पीएम मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ता रहेगा

कोटा ,लोकसभा स्पीकर ओम बिरला शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र कोटा पहुंचे, जहां उनका जोरदार स्वागत किया गया। यहां उन्होंने अपने समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं से विशेष संवाद स्थापित किया।

दोबारा से लोकसभा स्पीकर बनने के बाद ओम बिरला पहली बार अपने संसदीय क्षेत्र कोटा–बूंदी पहुंचे। वो यहां तीन दिवसीय दौरे पर आए हैं। वो सबसे पहले हिंडोली पहुंचे, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। इस बीच, उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा, देश आगे बढ़ता रहेगा, क्योंकि पीएम मोदी ने तीसरी बार सरकार बनाई है। हम कोशिश करेंगे कि राज्य और केंद्र सरकार मिलकर काम करती रहे। मुझे खुशी है कि निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों में निवेश हो रहा है। भारत की बात करें तो पीएम मोदी के इस तीसरे कार्यकाल में मुझे लगता है कि देश नई उपलब्धियां स्थापित करेगा।

उन्होंने आगे कहा, लोकसभा लोकतंत्र का मंदिर है, लोगों की आस्था का केंद्र है। हम संसद को देर रात तक चलाने की कोशिश करते हैं। हमारा मानना है कि जिन लोगों को वहां बैठने के लिए वोट दिया जाता है, उनमें अपने क्षेत्र के लिए और हर किसी के विचारों को शामिल करने की आकांक्षाएं होती हैं, ताकि हम सामूहिक रूप से आगे बढ़ सकें।

खुद बदलें तकदीर, बाबाओं के पाखंडवाद में न फंसें, भोले बाबा पर बरसीं बसपा सुप्रीमो मायावती

लखनऊ ,उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बसपा सुप्रीमो मायावती ने शनिवार को लोगों को सलाह दी कि वे अपने दुखों को दूर करने के लिए हाथरस के भोले बाबा जैसे अनेकों और बाबाओं के अंधविश्वास व पाखंडवाद के बहकावे में न आएं। साथ ही उन्होंने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पूर्व सीएम मायावती ने अपने एक्स अकाउंट तीन पोस्ट किए। मायावती ने कहा, देश में गरीबों, दलितों व पीड़ितों आदि को अपनी गरीबी व अन्य सभी दुःखों को दूर करने के लिए हाथरस के भोले बाबा जैसे अनेकों और बाबाओं के अंधविश्वास व पाखंडवाद के बहकावे में आकर अपने दुःख व पीड़ा को और नहीं बढ़ाना चाहिए, यही सलाह है। मायावती ने कहा, बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के बताए हुए रास्तों पर चलकर इन्हें सत्ता खुद अपने हाथों में लेकर अपनी तकदीर खुद बदलनी होगी। इन्हें अपनी पार्टी

बीएसपी से ही जुडऩा होगा, तभी ये लोग हाथरस जैसे काण्डों से बच सकते हैं, जिसमें 121 लोगों की हुई मृत्यु अति–चिन्ताजनक है। मायावती ने आगे कहा कि हाथरस कांड में, बाबा भोले सहित अन्य जो भी दोषी हैं, उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। ऐसे अन्य और बाबाओं के विरुद्ध भी कार्रवाई होनी जरूरी। इस मामले में सरकार को अपने राजनीतिक स्वार्थ में ढीला नहीं पडऩा चाहिए, ताकि आगे लोगों को अपनी जान ना गंवानी पड़े। ता दें कि हाथरस में भगदड़ दो जुलाई को स्वयंभू संत और उपदेशक नारायण साकार हरि उर्फ ह्यभोले बाबाह्न के सत्संग के दौरान हुई थी। इसमें 121 लोगों की मौत हो गई थी, जिसमें ज्यादातर महिलाएं शामिल थीं। एफआईआर के अनुसार, कार्यक्रम में 2.50 लाख से अधिक लोग शामिल हुए थे, जबकि प्रशासन ने केवल 80 हजार लोगों को ही अनुमति दी थी। एफआईआर के अनुसार, सत्संग आयोजकों ने सबूत छिपाकर तथा बाबा के अनुयायियों की चप्पलें और अन्य सामान पास के खेतों में फेंक कर कार्यक्रम में मौजूद लोगों की वास्तविक संख्या को छिपाने की कोशिश की थी। ऐसा बताया जा रहा है कि भगदड़ तब मची जब कई श्रद्धालु उपदेशक के पैरों की मिट्टी लेने के लिए दौड़े थे।

मानसून सीजन में 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहे अफसर

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को मुख्यमंत्री आवास में उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिये कि मानसून सीजन में आपदा प्रबंधन के दृष्टिगत 24 घण्टे अलर्ट मोड पर रहें। शासन के वरिष्ठ अधिकारी जिलाधिकारियों से निरंतर समन्वय बनाकर रखें। वर्षाकाल के दृष्टिगत पर्वतीय जनपदों में सभी आवश्यक सुविधाएं खाद्यान्न, दवाइयां एवं अन्य राहत सामग्री पर्याप्त मात्रा में रखी जाएं।

मुख्यमंत्री ने गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पाण्डेय और वर्चुअल माध्यम से जुड़े कुमांऊ कमिश्नर दीपक रावत से दोनों मण्डलों में बारिश और सड़को की स्थिति के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने दोनों आयुक्तों को निर्देश

दिये कि वे अपने मंडलों में सड़कों, पेयजल, विद्युत, नालों की सफाई आदि व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा करें। जिलाधिकारियों से निरन्तर समन्वय बनाते हुए सभी व्यवस्थाओं को सुचारू बनाये रखें। वर्षा के कारण सड़के, पेयजल और विद्युत लाइन बाधित होने की स्थिति में उन्हें यथाशीघ्र सुचारू करवाया जाए। मौसम विभाग की चेतावनी एवं स्थानीय मौसम संबंधी गतिविधियों के आधार पर ही स्कूलों को खोलने और बंद करने का निर्णय लिया जाए। जर्जर पुलों की स्थिति का भी आंकलन किया जाए। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि गांवों में लोगों की आवाजाही प्रभावित न हो।

सांसद रवींद्र वायकर को बड़ी राहत, जोगेश्वरी जमीन मामले में मुंबई पुलिस ने दी क्लीन चिट

मुंबई ,महाराष्ट्र की मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने जोगेश्वरी जमीन मामले में क्लोजर रिपोर्ट दायर की है। शिंदे गुट के नेता और सांसद रवींद्र वायकर,उनकी पत्नी और चार करीबी सहयोगियों के खिलाफ दर्ज मामले में क्लोजर रिपोर्ट दायर की गई है। ईओडब्ल्यू की तरफ से मामले को बंद करने का कारण बताते हुए कहा गया है कि बीएमसी की ओर से दायर शिकायत ह्यअधूरी जानकारी और गलतफहमीह्न पर आधारित थी। बता दें शिवसेना में टूट से पहले रवींद्र वायकर उद्धव ठाकरे के करीबी सहयोगियों थे। लोकसभा चुनाव से पहले 10 मार्च को वह एकनाथ शिंदे गुट में शामिल हो गए, जिसके बाद शिवसेना शिंदे गुट ने उन्हें मुंबई उत्तर पश्चिम लोकसभा सीट से मैदान में उतारा। रवींद्र वायकर ने इस सीट से जीत तो दर्ज कर ली लेकिन जीत के बाद भी वे विवादों में रहे। दरअसल, रवींद्र वायकर की महज 48 वोटों से जीत मिली थी। जिसको लेकर शिवसेना (यूबीटी) ने गोरेगांव के मतगणना केंद्र पर गड़बड़ी का आरोप लगाया था।

घटना से दुखी हूं, दोषी बख्शे नहीं जाएंगे

हाथरस कांड के बाद सामने आया भोले बाबा का पहला वीडियो

हाथरस ,उत्तर प्रदेश के हाथरस में दो जुलाई को सत्संग के बाद मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हुई। इस मामले में अब सूरजपाल उर्फ भोले बाबा का पहला बयान सामने आया है। इसमें उसने हादसे पर दुख जताते हुए सरकार और प्रशासन से अपेक्षा की है कि अराजकता फैलाने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा न जाए। मामले में शुक्रवार को मुख्य आरोपी मधुकर को गिरफ्तार किया गया। भोले भोले बाबा हादसे के बाद से ही गायब है। उसके मैनपुरी के बिछवां स्थित आश्रम में छिपे होने की आशंका जताई जा रही है। नारायण हरि साकार के नाम से प्रसिद्ध सूरजपाल उर्फ भोले बाबा ने एक वीडियो बयान में कहा है मैं 2 जुलाई की घटना के बाद बहुत दुखी हूं। भगवान हमें इस दर्द को सहन करने की

शक्ति दें।ह्न भोले बाबा ने लोगों से सरकार और प्रशासन से विश्वास बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि अराजकता फैलाने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। इस वीडियो में सूरजपाल उर्फ भोले बाबा ने दावा किया कि उसने अपने वकील एपी सिंह के माध्यम से समिति के सदस्यों से शोक संतप्त परिवारों और घायलों के साथ खड़े रहने और जीवन भर उनकी मदद करने का अनुरोध किया है।

नेविगेशन सर्च इंजन का सहारा कितना सही ?

—राजेंद्र कुमार शर्मा

हाल में ही केरल में एक दुर्घटना में चार लोग मौत के मुंह में जाते जाते बचे। समाचार पत्रों के अनुसार ये चारों गूगल मैप के सहारे अपने गंतव्य की ओर जा रहे थे। बारिश के कारण सड़क टूटी हुई थी, मार्ग में गहरा पानी जमा था, गाड़ी चालक ने गूगल मैप के आधार पर गाड़ी को गहरे पानी में उतार दिया। स्थानीय सुरक्षा इकाई और लोगों की मदद से चारों को बचा लिया गया। उसी समाचार के अनुसार पिछले वर्ष गूगल मैप के सहारे यात्रा करते दो युवा चिकित्सकों की गाड़ी नदी में उतरने के कारण उनकी मौत हो गई थी। ये दिल दहलाने वाली घटनाएं हैं। आंख मीचकर किसी तकनीकी पर निर्भर हो जाना, कितना भयावह हो सकता है इसका अंदाजा लगाया जा सकता है।

गूगल मैप/नेविगेशन सर्च इंजन

प्राचीन समय में जब कोई पर्यटक या यात्री अनजान जगह पर जाता था तो वह अपने साथ नक्शा लेकर जाता था। जिससे वह आसानी से रास्ता ढूंढ सके। गूगल मैप या नेविगेशन सर्च इंजन भी इसी तरह का नक्शा है। जिसमें पूरे विश्व के विभिन्न स्थानों की लोकेशन, दूरी, दिशाएं देखी जा सकती हैं। गूगल मैप तकनीक को दो भाइयों लार्स और जेंस रासमुसेन ने वर्ष 2004 में विकसित किया था, जिसे बाद में गूगल ने खरीद कर, इसका एंड्रॉयड संस्करण लोगों को निःशुल्क उपलब्ध कराया।

गूगल मैप का उपयोग

गूगल मैप, गूगल द्वारा प्रदत्त एक ऐसी सुविधा है जिससे हजारों—लाखों लोग प्रतिदिन अपने गंतव्यों पर पहुंचते हैं। कैब/टैक्सी/ऑटो चालक और विशेषकर पर्यटक तो इस सेवा का प्रयोग सबसे अधिक करते हैं। अनजान जगहों पर पर्यटकों का एक मात्र साथी बनता है गूगल मैप। हम सभी ने कभी न कभी इस सुविधा का प्रयोग जरूर किया है। कुछ मामलों में अपवाद हो सकता है क्या आज जब सुरक्षा की दृष्टि से किसी अनजान व्यक्ति से अपने गंतव्य का रास्ता पूछना ठीक नहीं है। ऐसे में गूगल मैप आपको आपके डेस्टिनेशन तक पहुंचने में मददगार बनता है।

पर्यटन में सावधानी जरूरी

ये मानवीय प्रवृति है कि वह जिस चीज को एक दो बार सफलता पूर्वक इस्तेमाल कर लेता है, फिर वह उस चीज का आंख मीचकर प्रयोग करता है। ऐसा ही गूगल मैप/नेविगेशन के साथ हुआ है। अगर पर्यटकों की बात की जाए,तो ये गूगल मैप या किसी भी नेविगेशन सर्च इंजन के सहारे किसी भी पर्यटन स्थल की यात्रा करने के लिए, तैयार हो जाते हैं। अपनी गाड़ी उठाई और निकल पड़े,अनजान पर्यटन स्थलों के भ्रमण पर, बिना किसी जोखिम की परवाह किए। पर्यटकों की यह सोच उन्हें परेशानी में डाल सकती है। जरूरी है कि चलने से पूर्व अपने डेस्टिनेशन की पूर्ण जानकारी आपके पास हो।

सुविधा के साथ सीमाएं भी है

आधुनिक तकनीकी ने मानव जीवन को सुविधाजनक बना दिया है परंतु प्रत्येक तकनीक की कुछ सीमाएं हैं। इन सीमाओं का हल खोजा जाना अभी शेष है। गूगल मैप सैटेलाइट के द्वारा विभिन्न गंतव्यों की जानकारी उपलब्ध करवाता है। और इसमें कोई शक नहीं की यह जानकारी समय समय पर अपडेट भी की जाती होगी। गूगल ने जमीनी सच्चाई से संबंधित डेटा की जांच करने और उन्हें सही करने के लिए स्वयंसेवकों को भी नियुक्त किया है। परंतु कुछ रिमोट लोकेशंस ऐसी भी होते हैं जहां मौसम और भौगोलिक स्थिति में परिवर्तन के कारण वहां तक पहुंचने के मार्ग भी बदल जाते हैं। जैसे घने जंगल, ऊंचे पहाड़, या नदी झरनों वाले पर्यटन स्थल आदि।

नेविगेशन सर्च इंजन की कार्यप्रणाली

गूगल मैप या कोई भी नेविगेशन सर्च इंजन विभिन्न तकनीकों का प्रयोग कर नक्शा तैयार करता है जैसे सैटेलाइट इमेजिंग की मदद से ली गई तस्वीरों का प्रयोग कर सड़कों, बैंक, अस्पताल एवं अन्य चीजों को चिन्हित करना। रास्ते में ट्रैफिक जाम की जानकारी गूगल मैप को एडवांस में सैटेलाइट और अन्य लोगों के स्मार्टफोन में ऑन हुई लोकेशन की मदद से ट्रैक करके होती है। गूगल मैप उपरोक्त जानकारी को ट्रैक कर एनालिसिस करता है और फिर ट्रैफिक की स्थिति का हाल दिखाता है। इसके अलावा हम सटीक लाइव ट्रैफिक स्थिति बताने हेतु गूगल मैप मशीन लर्निंग का भी लगातार इस्तेमाल करता है।

नेविगेशन के लिए खुद के ज्ञान का प्रयोग

नेविगेशन सर्च इंजन पर आंख मीचकर विश्वास करने से बचें। गूगल मैप के साथ साथ स्थानीय जन संपर्क संबंधी विभाग जैसे कुरियर सर्विस सेंटर, पोस्ट ऑफिस, पुलिस स्टेशन, ट्रैफिक पोस्ट आदि आपको आपके गंतव्य की सही जानकारी उपलब्ध करवा सकते हैं।

गूगल मैप प्रयोग करते समय, अपने वाहन की प्रकार चुनना न भूलें, जैसे आप पैदल चल रहे हैं या फिर दो पहिया या फिर चार पहिया वाहन का प्रयोग कर रहे हैं क्योंकि इसी के आधार पर आपको अपने गंतव्य का मार्ग बताया जाएगा। जैसे आप कार से जा रहे हैं और आपने पैदल चलने फैसला कर रखा है तो नेविगेशन आपको वो गलियां या मार्ग भी दिखा सकता है, जिसमे पैदल जाना संभव है पर कार से जाना नहीं। पर्यटक विशेषकर, घर से निकलने से पूर्व, अपनी पूरी यात्रा का एक मैप, कागज पर बना कर अपने साथ रखें, तरीका पुराना है पर आज भी प्रभावी है। रास्ते में अनजान व्यक्तियों से रास्ता पूछने की भूल कभी न करें। जस्ट डायल की सेवा से भी आपको गंतव्यों तक पहुंचने में कुछ मदद मिल सकती है।

बाइडेन बोलते—बोलते लडखड़ाए

अमेरिका के लोकतंत्र के लिए विष है डोनाल्ड ट्रम्प! कट्टरपंथ, अनुदारवाद, घोर दक्षिणपंथ या घोर वामपंथ याकि तमाम अतिवादी विचार तलवार का वह जुबानी रूप हैं, जिससे सर्वप्रथम लोकतंत्र ही घायल होता है। डोनाल्ड ट्रम्प 2016 में राष्ट्रपति बनने से पहले भी अनुदारवादी थे। ठग थे। झूठे थे। और राष्ट्रपतत्रहिते हुए भी मनमानी के साथ उन्होंने दबा कर झूठ बोला। उन्होने मार्केटिंग—ब्रांडिंग—अभिनय—झूठ के वे सभी हथकंड़े अपनाए हुए थे, जिनमें ठग पारंगत होते हैं। अब सत्ता से बाहर होने के बाद वापिस चुनाव लड़ रहे हैं तो पुरानी गलतियों को मानने, उन पर माफी मांगने की बजाय ठगी के अपने चरित्र से वोट मांग रहे हैं। बाइडेन को फेल बता रहे हैं और अपने को ग्रेट। सोचें, उनका यह हुंकारा कि उनके राष्ट्रपति रहते हुए अमेरिका की दुनिया में इज्जत, गरिमा बनी जबकि बाइडने से सर्वनाश हुआ! इस बात को वे गोरे लोग, कट्टरपंथी, अनुदारवादी, रिपब्लिकन पार्टी के नेता मानते हुए हैं जो पढ़े—लिखे होने के बावजूद यह समझते हैं कि बाहरी लोगों के आने से अमेरिका खत्म हो रहा है। काली आबादी, लातीनी आबादी, एशियाई आबादी, मुस्लिम आबादी गोरों की रोजी—रोटी खा रही है। अमेरिका क्यों दुनिया का चौधरी रहे? वह क्यों दुनिया में लोकतंत्र के लिए लड़े? क्यों तानाशाहों से यूरोप या दुनिया को बचाने के लिए अरबों—खरबों रुपए खर्च करे और सेना भेजे? कूटनीति करे? मतलब वह अपनी अमीरी खुद भोगे, दूसरों पर क्यों जाया करे या बांटे! उसे क्यों अपनी विश्व व्यवस्था बनाए रखनी चाहिए जब वह खुद अकेले अपनी ताकत से अपने हितों की सुरक्षा में समर्थ है! मतलब अमेरिका की महानता अपने घर की गोरी नस्ल, गोरे सरोकारों से है और उसी के हितों की हितसाधना और विकास में है!

हरिशंकर व्यास

यदि ठग व्यक्ति, झूठ बोलने में गुरू हो तो करेला नीम पर चढ़ा। तभी इन दिनों डोनाल्ड ट्रम्प जैसा ठग और झूठा राजनीति का प्रतिमान है। कोई आश्चर्य नहीं जो हाल में उन्होंने राष्ट्रपति बाइडेन को चुनावी बहस में हड़बड़ा दिया। राष्ट्रपति बाइडेन बोलते—बोलते लडखड़ाए। इसकी मूल वजह 81 साल की उम्र में विस्मृति की थी। लेकिन बहस के दौरान बाइडेन के चेहरे से यह कई बार लगा कि उनका ऐसे झूठे ठग से पाला पड़ा है कि वे बोलें तो क्या बोलें! ठग वाचाल होते हैं। वे ऊंची आवाज में, अभिनय के साथ झूठ बोलते हैं (भारत में भी गौर करें)। इसलिए उसके आगे उम्रदराज सज्जन का लडखड़ाना स्वाभाविक है। इसलिए डोनाल्ड ट्रम्प से बाइडेन को बहस करनी ही नहीं थी। और यदि करनी थी तो कम से कम यह शर्त तो रखनी थी कि बहस उनकी इस माफी से शुरू होगी कि हां, वे 2020 के चुनाव में हारे थे। और उस चुनाव में बाइडेन ही विजयी थे। वे 2020 के अमेरिकी जनादेश को सच्चा मानते हैं!

कितना त्रासद है यह सत्य जो नतीजों के बाद वाशिंगटन से भागा भगोड़ा डोनाल्ड ट्रम्प वापिस सत्ता की दौड़ में है। जिसने जनादेश को नहीं माना। संसद पर हमला करवाया और अमेरिकी लोकतंत्र को विश्व में कलंकित किया वही पूरी दबंगी से वापिस कह रहा है कि मैं ग्रेट हूं और बाइडेन फेल हैं। तभी बाइडेन कैसे बोलें कि मैं ग्रेट हूं या सामने वाला जो बोल रहा है वह फरेबी, ठग, झूठा और नीच है!

इस नाते लोकतंत्र की श्रेष्ठता के बावजूद उसका यह संकट स्थायी है कि फरेबी, झूठे, नीच नेताओं को रोकने का सेफ्टी वाल्व क्या हो? भारत या तीसरी दुनिया के देशों के लोकतंत्रों में झूठे, फरेबी, गंवार नेताओं का सत्ता में आना तीसरी दुनिया की अनपढ़, अंधविश्वासी आबादी के कारण समझ में आता है लेकिन अमेरिका, फ्रांस जैसे विकसित, सभ्य देशों में डोनाल्ड ट्रम्प या ले पेन जैसे अनुदारवादी ठगों का पॉवर में आना तो इन देशों के विकसित या सभ्य होने पर ही सवाल है! लोकतंत्र की आत्मा का नाम है उदारवाद। और बावजूद इसके यदि अनुदारवादी नेता ठगी, झूठ से प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति बन रहे हैं तो वैसा होना क्या लोकतंत्र की आत्मा का कमजोर होना और असुरों से उसका दानवीकरण नहीं है?

तभी अमेरिका के लोकतंत्र के लिए विष है डोनाल्ड ट्रम्प! कट्टरपंथ, अनुदारवाद, घोर दक्षिणपंथ या घोर वामपंथ याकि तमाम अतिवादी विचार तलवार का वह जुबानी रूप हैं, जिससे सर्वप्रथम लोकतंत्र ही घायल होता है। डोनाल्ड ट्रम्प 2016 में राष्ट्रपति बनने से पहले भी अनुदारवादी थे। ठग थे। झूठे थे। और राष्ट्रपतत्रहिते हुए भी मनमानी के साथ उन्होंने दबा कर झूठ बोला। उन्होने मार्केटिंग—ब्रांडिंग—अभिनय—झूठ के वे सभी हथकंड़े अपनाए हुए थे, जिनमें ठग पारंगत होते हैं। अब सत्ता से बाहर होने के बाद वापिस चुनाव लड़ रहे हैं तो पुरानी गलतियों को मानने, उन पर माफी मांगने की बजाय ठगी के अपने चरित्र से वोट मांग रहे हैं। बाइडेन को फेल बता रहे हैं और अपने को ग्रेट। सोचें, उनका यह हुंकारा कि उनके राष्ट्रपति रहते हुए अमेरिका की दुनिया में इज्जत, गरिमा बनी जबकि बाइडने से सर्वनाश हुआ!

इस बात को वे गोरे लोग, कट्टरपंथी, अनुदारवादी, रिपब्लिकन पार्टी के नेता मानते हुए हैं जो पढ़े—लिखे होने के बावजूद यह समझते हैं कि बाहरी लोगों के आने से अमेरिका खत्म हो रहा है। काली आबादी, लातीनी आबादी, एशियाई आबादी, मुस्लिम आबादी गोरों की रोजी—रोटी खा रही है। अमेरिका क्यों दुनिया का चौधरी रहे? वह क्यों दुनिया में लोकतंत्र के लिए लड़े? क्यों तानाशाहों से यूरोप या दुनिया को बचाने के लिए अरबों—खरबों रुपए खर्च करे और सेना भेजे? कूटनीति करे? मतलब वह अपनी अमीरी खुद भोगे, दूसरों पर क्यों जाया करे या बांटे! उसे क्यों अपनी विश्व व्यवस्था बनाए रखनी चाहिए जब वह खुद अकेले अपनी ताकत से अपने हितों की सुरक्षा में समर्थ है! मतलब अमेरिका की महानता अपने घर की गोरी नस्ल, गोरे सरोकारों से है और उसी के हितों की हितसाधना और विकास में है!

सवाल है इस तरह सोचना ही अमेरिका के इतिहास और निर्माण को क्या खारिज करना नहीं है? अमेरिका बना ही बाहरी लोगों से। डोनाल्ड ट्रम्प खुद और उनके सभी भक्तों के वंशज दुनिया भर से आए प्रवासियों की संतान हैं। इसी कारण अमेरिका की तासीर सतरंगी है। विविधताओं से बने विकास का वह आधुनिक चमत्कार है। लोकतंत्र का वैश्विक प्रतिमान है। ज्ञान—विज्ञान—सत्य और कानून—कायदों का देश है। सबको समान अवसर देने की तमाम व्यवस्थाएं लिए हुए है। उसी व्यवस्था से दुनिया भर के लोगों के लिए अमेरिका आकर्षक है। सभी को अमेरिका ने मौका दिया तो बदले में उसकी प्राप्ति जहां सर्वाधिक नोबेल पुरस्कार है वही हर ओलंपिक में लगातार चली आ रही टॉप पोजिशन है। अमेरिकी सभ्यता और संस्कृति यदि आज पूरी पृथ्वी पर अपनी छाप छोड़ते हुए है तो ऐसा होना अमेरिकी समाज की विविधताओं और उदारवादी परंपराओं से खिली कला—संस्कृति की बदौलत है न कि डोनाल्ड ट्रम्प और उनके अनुदारवादी समर्थकों की जीवन शैली तथा सोच से!

और इस सत्य को अमेरिका में भी जानने—बूझने वाले कम नहीं हैं। इसलिए 2020 के चुनाव में डोनाल्ड ट्रम्प की तमाम धांधलियों के बावजूद लोगों ने बहुमत से डोनाल्ड ट्रम्प को हरा कर डेमोक्रेटिक पाटी के जो बाइडेन को राष्ट्रपति बनाया। बावजूद इसके न डोनाल्ड ट्रम्प ने संन्यास लिया और न उनके अनुदारवादी समर्थकों को समझ आया कि ट्रम्प के शासन के दौरान अमेरिका का कितना और कैसा अहित हुआ है।

तभी बोतल में बंद जिन्न वापिस चुनाव मैदान में है। उन्हें हराने का दारोमदार वापिस 81 साल के बाइडेन पर है। और उम्र से बाइडेन की दिक्कत है। उनका शरीर, उनकी आवाज, उनकी याददाश्त, उनका भलापन, उनका सत्य 78 वर्षीय डोनाल?ड ट्रम्प के आगे कमजोर दिख रहा है। डेमोक्रेटिक पार्टी और खुद बाइडेन ने यह नहीं सोचा था कि चुनाव लड़ते—लड़ते अचानक उनकी आवाज और याददाश्त लडखड़ाई दिखेगी! मगर जब ऐसा हुआ तो 27 जून की लाइव टीवी डिबेट से ट्रम्प के आगे बाइडेन की लोकप्रियता का ग्राफ उतरता हुआ है। बाइडेन मान रहे थे कि वे ही डोनाल्ड ट्रम्प को हराने में समर्थ हैं। उन्होंने पहले हराया है, देश को बचाया है तो उन्हें ही वापिस लडऩा चाहिए। उनकी पार्टी के दूसरे नेता (ओबामा, क्लिंटन आदि) भी बाइडेन को समर्थ मानते थे। इसी कारण वे पार्टी की तरफ से अभी निर्विरोध उम्मीदवार हैं।

मगर अब सब शंकित हैं। न केवल डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद, नेता और समर्थक शंकित हैं, बल्कि अमेरिका के वे सभी नागरिक चिंता में हैं, जो मानते हैं कि डोनाल्ड ट्रम्प यदि वापिस राष्ट्रपति बने तो तय है बरबादी! इसलिए उदारवादियों में सोचा जाने लगा है कि बाइडेन स्वंय अपनी जगह दूसरा उम्मीदवार तय करें। अगस्त में डेमोक्रेटिक पार्टी का अधिवेशन है। उसमें बाइडेन की उम्मीदवारी पर अंतिम ठप्पा लगना था लेकिन अब ट्रम्प से अमेरिका को बचाने की चाह वाले सभी चाह रहे हैं कि बाइडेन अपनी जगह किसी और डेमोक्रेटिक उम्मीदवार की घोषणा करें। भले वह उप राष्ट्रपति कमला हैरिस हों या कैबिनेट का कोई मंत्री, राज्यपाल या सांसद हो। हिसाब से उप राष्ट्रपति के नाते कमला हैरिस का नाम पार्टी में स्वीकार्य होना चाहिए। लेकिन वे बतौर उप राष्ट्रपति अपेक्षाकृत कम सक्रिय रही हैं इसलिए पार्टी में उनको ले कर वैसी आम राय नहीं है, जैसी होनी चाहिए। बावजूद इसके डोनाल्ड ट्रम्प के नाम के आगे पहचान—ब्रांड और हैसियत की कसौटी में कमला हैरिस निश्चित ही दमदार उम्मीदवार होंगी! लेकिन अनुदारवादी गोरे लोगों की भीड़ के हल्ले के आगे वे टिक सकेंगी, यह सवाल गंभीर है!

प्रवासियों का धन अर्थव्यवस्था के लिए लाभप्रद

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में 27 जून को यूनाइटेड नेशंस माइग्रेशन एजेंसी के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय प्रवासियों के द्वारा वर्ष 2023—24 में भेजा गया रेमिटेंस (प्रवासियों के द्वारा अपने घर भेजा गया धन) दुनिया के किसी भी देश के मुकाबले सबसे ज्यादा है। पिछले वर्ष में यह रेमिटेंस 107 अरब डॉलर यानी 8.95 लाख करोड़ रुपए की ऊंचाई पर है।खास बात यह है कि पिछले वर्ष में भारतीयों द्वारा भेजी गई यह रकम प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) से लगभग दो गुना है। यह लगातार दूसरा साल है, जब भारतीयों ने 100 अरब डॉलर से ज्यादा की धनराशि भारत भेजी है। पिछले वर्ष 2022—23 में भारतीय प्रवासियों ने 111 अरब डॉलर का रेमिटेंस भारत भेजा था। ज्ञातव्य है कि भारत के बाद मेक्सिको, चीन, फिलीपींस और फ्रांस सबसे ज्यादा रेमिटेंस प्राप्त करने वाले देश है।

यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि पिछले एक दशक में भारत में लगातार अन्य देशों के मुकाबले रेमिटेंस सबसे अधिक रहा है। भारत में वर्ष 2010 में रेमिटेंस के तौर पर 53.48 अरब डॉलर आए थे। वहीं ये वर्ष 2015 में बढक़र 68.19 अरब डॉलर और वर्ष 2020 में 83.15 अरब डॉलर हो गए हैं। प्रवासी भारतीयों की से भारत भेजा गया धन वर्ष 2021—22 में 83.57 अरब ड़ॉलर था। प्रवासियों का यह धन जहां प्रवासियों के परिजनों को मुस्कुराहट दे रहा है, वहीं अर्थव्यवस्था के लिए भी लाभप्रद है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि जब कोविड—19 के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था 7.3 फीसद की ऋणात्मक विकास दर की स्थिति में पहुंच गई थी और बड़ी संख्या में उद्योग—कारोबार बंद होने के कारण देश में आर्थिक—सामाजिक परेशानियां बढ़ गई थी, उस समय आर्थिक मुश्किलों के बीच भारतीय प्रवासियों के द्वारा भेजी गई बड़ी धनराशि से भारतीय अर्थव्यवस्था को बड़ा सहारा मिला था। गौरतलब है कि दुनिया में प्रवासी भारतीयों की संख्या करीब 1 करोड़ 80 लाख है। दुनियाभर में सबसे ज्यादा प्रवासी भारत के हैं। सबसे ज्यादा भारतीय प्रवासी संयुक्त अरब अमीरात, संयुक्त राज्य अमेरिका और सऊदी अरब में रहते हैं। पहले जहां भारत से अकुशल श्रमिक कम आय वाले खाड़ी देशों में जाते थे, वहीं अब विदेश जाने वाले भारतीयों में हाई स्किल्ड लोगों की संख्या ज्यादा है जो अमेरिका, इंग्लैंड, सिंगापुर, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे उच्च आय वाले देशों में जा रहे हैं। ऐसे में वे अधिक कमाई करके अधिक धन भारत भेज रहे हैं।

निसंदेह प्रवासी भारतीय भारत की राजनीतिक, आर्थिक और कारोबारी शक्ति बढ़ाने में भी अहम सहयोग कर रहे हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है कि दुनिया के कोने—कोने में भारतवंशी और प्रवासी भारतीयों की राजनीतिक, आर्थिक और कारोबारी क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती ऊंचाई भारत के तेज विकास के मद्देनजर महत्त्वपूर्ण हो गई है। इतना ही नहीं भारतवंशी व प्रवासी भारतीय वैश्विक आर्थिक व वित्तीय संस्थानों आईटी, कम्प्यूटर, मैनेजमेंट, बैंकिंग, वित्त आदि के क्षेत्र में भी बहुत आगे हैं। माइक्रोसॉफ्ट के सत्य नडेला, गूगल के सुंदर पिचाई, नोवार्टसि के वसंत नरसिम्हन आदि अपनी प्रतिभा, कौशल से कारोबार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दुनिया की अगुवाई कर रहे हैं और भारत के विकास के सहभागी भी बन रहे हैं। इस समय 18वीं लोक सभा चुनाव के बाद भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल की एनडीए गठबंधन सरकार बनने के बाद प्रवासियों का कहना है कि एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी नई सरकार से प्रवासियों को भारत के विकास में सहयोग और सहभागिता करने के मद्देनजर नई ऊर्जा प्राप्त होगी।अमेरिका में कार्यरत भारतीय अमेरिकी डेमोक्रेटिक फंडराइजर तथा भारत हितैषी प्रवासियों के विभिन्न संगठनों का कहना है कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री मोदी ने दुनिया के आर्थिक और राजनीतिक मंचों पर जिस तरह भारत की सफलताओं का परचम फहराया है, उससे प्रवासियों के द्वारा गर्व अनुभव किया जा रहा है।

बारिश से जन—जीवन अस्त—व्यस्त

राजधानी दिल्ली में बारिश ने 88 वषी का रिकॉर्ड तोड़ते हुए जन—जीवन बुरी तरह अस्त—व्यस्त कर दिया है। मौसम विभाग ने अगले चार दिन भारी बारिश का पूर्वानुमान व्यक्त करते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

अगले सात दिन तेज वष्रा की संभावनाएं जताई जा रही हैं। भारी बारिश के कारण न्यूनतम तापमान में भी काफी गिरावट आई है। मगर कई इलाकों में जल—भराव के चलते दिल्ली के सारे विकास की हालत पस्त हो गई है।

मानसून आगमन के कारण हुई तीन घंटों तक मूसलाधार बरसात के कारण दिल्ली हवाई अड्डे में छत का एक हिस्सा गिरने से एक वाहन चालक की मौत हो गई। साथ ही, अन्य संबंधित घटनाओं में भी सात अन्य लोगों की अलग—अलग मौत हो गई। पुलिस अभी पोस्ट मार्टम रिपोर्ट के इंतजार में है। भीषण गर्मी के मार झेल रहे दिल्ली वाले मानसून के बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। मगर सामान्य से दो दिन पूर्व हुई इस जबरदस्त बरसात ने रहवासियों को बुरी तरह भयभीत कर दिया है। मोहल्ले और बस्तियां ही पानी में नहीं डूबी हैं, बल्कि कई अति व्यस्त अंडरपास भी बरसात के पानी से लबालब भर गए।

समूची दिल्ली ट्रैफिक जाम के चलते थम सी गई। यह कोई पहली बार नहीं है, जब दिल्लीवासियों को जल भराव जैसी समस्या से जूझना पड़ रहा है। हर साल राज्य सरकार का तंत्र घोर लापरवाही करता रहता है और अंत में केंद्र सरकार पर सारा ठीकरा फोडक़र अपने ढें पर चल पड़ता है। दिल्ली ही नहीं, प्राकृतिक आपदाओं के चलते प्रति वर्ष देश भर में जनता को तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सैकड़ों मौते होती हैं, और जन—जीवन अस्त—व्यस्त हो जाता है। सिर्फ चमचमाती सडक़ों, फ्लाईओवरों और दमकती रोशनी को विकास का पर्याय नहीं माना जा सकता। बल्कि पानी की उचित निकासी और बरसाती पानी के भंडारण की सटीक व्यवस्था की जरूरत ज्यादा है। दरअसल, यह दिल्ली की ही समस्या नहीं है, बल्कि देश के तमाम बड़े शहरों और महानगरों में बारिश होते ही सवाल उठते लगते हैं कि हमारे विकास में क्या खामियां हैं, जो एक ही बारिश में शहर पानी—पानी हो जाते हैं।

रितेश—सोनाक्षी की काकुड़ा का दिलचस्प का ट्रेलर आउट

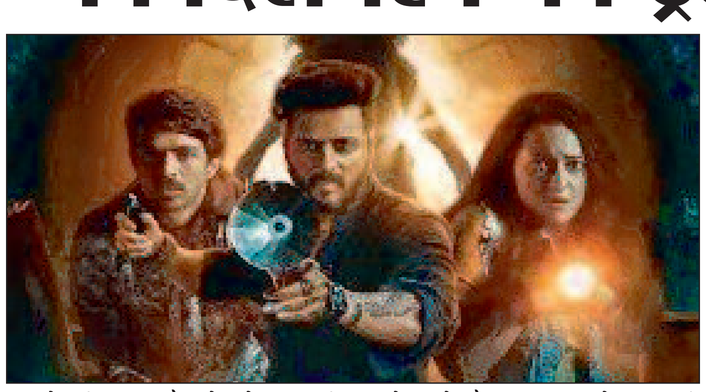

सोनाक्षी सिन्हा और रितेश देशमुख की जल्द रिलीज होने जा रही फिल्म काकुड़ा का दिलचस्प ट्रेलर रिलीज हो चुका है. यह सोनाक्षी सिन्हा की शादी के बाद पहली फिल्म होगी. रितेश और सोनाक्षी के साथ इस फिल्म में एक्टर साकिब सलीम भी नजर आने वाले हैं.काकुड़ा का ट्रेलर काफी दिलचस्प है. बता दें कि इस फिल्म को आदित्य सरपोतदार ने डायरेक्ट किया है. गौरतलब है कि हाल ही में उनकी फिल्म मुंज्या रिलीज हुई थी जो कि बॉक्स ऑफिस पर हिट हो चुकी है. इसके बाद अब आदित्य एक और इसी तरह की फिल्म लेकर तैयार है.रितेश देशमुख, सोनाक्षी सिन्हा और साकिब सलीम की तिकड़ी जल्द ही धमाल मचाती हुई नजर आएगी. तीनों सितारों की यह फिल्म 12 जुलाई को रिलीज होने जा रही है. हालांकि यह फिल्म सिनेमघरों में नहीं बल्कि ओटीटी पर दस्त देगी. काकुड़ा 12 जुलाई से जी5 पर स्ट्रीम की जाएगी. सोनाक्षी सिन्हा ने भी अपने सोशल मीडिया हैंडल से अपनी इस अपकमिंग फिल्म का ट्रेलर शेयर किया है. निर्देशक आदित्य सरपोतदार की हॉरर—कॉमेडी फिल्म काकुड़ा के ट्रेलर को शेयर करते हुए सोनाक्षी ने लिखा है कि, खुलेगा रतोडी का राज और क्या है काकुड़ा का श्राप. अब हर मंगलवार, शाम साढ़े सात बजे, दरवाजा खोलके रखना, क्योंकि काकुड़ा आ रहा है.

बॉक्स ऑफिस पर कार्तिक आर्यन की चंदू चैंपियन ने तोड़ा दम

कबीर खान इस बार दर्शकों के मनोरंजन के लिए फिल्म चंदू चैंपियन लेकर आए हैं।इसमें कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म देश के पहले पैरालिंपिक स्वर्ण जीतने वाले मुरलीकांत पेटकर के जीवन पर आधारित है।फिल्म की कहानी और कार्तिक की अदाकारी लोगों को पसंद आ रही है, लेकिन यह दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने के लिए संघर्ष कर रही है।कल्कि 2898 एडी के आगमन के बाद चंदू चैंपियन की कमाई की रफ्तार धीमी हो गई।अब चंदू चैंपियन की कमाई के 19वें दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं, जो अब तक का सबसे कम कारोबार है।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, चंदू चैंपियन ने 19वें दिन यानी तीसरे मंगलवार को 45 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 59.55 करोड़ रुपये हो गया है।

स्टाइलिश आउटफिट पहन अनुष्का सेन ने कैमरे के सामने दिए किलर पोज

छोटे पर्दे से करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस अनुष्का सेन आए दिन अपनी बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरों के कारण इंटरनेट पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही बवाल मचाने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका लेटेस्ट लुक देखकर लोग उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं।अनुष्का सेन टीवी की पॉपुलर और खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक हैं।

उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगती हैं।एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक को देखकर फिदा हो जाते हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर लोग उनके हुस्न के दीवाने हो गए हैं।अनुष्का सेन की इन फोटोज में आप देख सकते हैं उन्होंने पिंक कलर का बेहद ही सिजलिंग आउटफिट पहना हुआ है।इन तस्वीरों में वो अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करते हुए कैमरे के सामने एक से बढक़र एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।बालों का हाई बन बनाकर, लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने आउटलुक को और भी ज्यादा खूबसूरती से निखारा है।हालांकि फैंस को भी उनका ये लुक काफी ज्यादा पसंद आ रहा है। अनुष्का सेन की इन तस्वीरों को पोस्ट हुए कुछ ही समय हुआ है और अब तक लाखों लोगों ने फोटोज पर लाइक कर दिया है।

यूरो 2024: फ्रांस ने पुर्तगाल को पेनल्टी में शूट किया, सेमीफाइनल में स्पेन से भिड़ंत

बर्लिन,फ्रांस ने शुक्रवार को हैम्बर्ग के वोक्सपार्क स्टेडियम में यूरो 2024 क्वार्टर फाइनल में पुर्तगाल को पेनल्टी शूटआउट में 5—3 (0—0) से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी जहां उसका मुकाबला स्पेन से होगा।

फ्रांस और पुर्तगाल ने पहले हाफ में समान रूप से संतुलित प्रदर्शन किया।पहले हाफ के 16 मिनट के खेल में पुर्तगाल को मौके मिले, जब ब्रूनो फर्नांडीस के लक्ष्य पर आशाजनक प्रयास को डिफेंडर विलियम सलीबा ने रोक दिया। फ्रांस ने पहले हाफ का सबसे अच्छा मौका चार मिनट बाद बनाया जब थियो हर्नांडेज़ ने दूरी से पुर्तगाल के गोलकीपर डिओगो कोस्टा को एक्शन में आने के लिए मजबूर किया।

आधे समय के बाद, पुर्तगाल ने बागडोर संभाली और घंटे के निशान के करीब बढ़त बनाने के लिए आ गया, जब जोआओ कैंसलो की गेंद फर्नांडिस के पास पहुंची, जिसका ड्रिल्ड प्रयास लेस ब्लेस के गोलकीपर माइक मेगनन ने बचा लिया। 66वें मिनट में फ्रांस ने पुर्तगाल को लगभग पकड़ लिया था , लेकिन रूबेन डायस ने आखिरी समय में रैंडल कोलो मुआनी के शॉट को रोक दिया।

डिडिएर डेसचैम्प्स के खिलाड़ियों के पास समापन चरण में अधिक गति थी लेकिन एडवडी कैमाविंगा और ओस्मान डेम्बेले अपने आशाजनक अवसरों को गोल में नहीं बदल सके।

ओवरटाइम में पुर्तगाल अधिक सक्रिय टीम थी जबकि फ्रांस ने गहरा बचाव किया और पलटवार का इंतजार किया। जोआओ फेलिक्स के पास देर से ओवरटाइम विजेता बनाने का सुनहरा मौका था, लेकिन मुश्किल कोण से उनका हैडर साइड नेट में घुस गया।

गोलरहित 120 मिनट के बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लेना पड़ा। दोनों पक्षों के लिए दो सफल पेनल्टी के बाद, फेलिक्स चूक गए और बाएं पोस्ट पर नीचा शॉट मारा। हर्नांडेज़ ने मौके से 5—3 की बढ़त बनाने के बाद फ्रांस के लिए जीत हासिल की।

प्रियांशु राजावत कनाडा ओपन के सेमीफाइनल में

नई दिल्ली, फॉर्म में चल रहे भारत के प्रियांशु राजावत ने विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी डेनमार्क के एंडर्स एन्टन्सन को तीन गेमों तक चले क्वार्टरफाइनल मुकाबले में 21—11, 17—21, 21—19 से हराकर कनाडा ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। कैलगरी में खेले गए इस मुकाबले को प्रियांशु ने एक घंटे 19 मिनट में जीता। इससे पहले, उन्होंने सेमीफाइनल की राह में राउंड ऑफ 32 में डेनमार्क के वर्ल्ड नंबर 24 रासमस गेमके और अंतिम—16 में वर्ल्ड नंबर 33 ताकुमा ओबयाशी को हराया था। फाइनल में जगह बनाने के लिए अब प्रियांशु का मुकाबला फ्रांस के एलेक्स लानियर से होगा।

वेनेजुएला को पेनल्टी में शूट कर कनाडा पहली बार कोपा अमेरिका के सेमीफाइनल में

आर्लिंगटन, कनाडा ने इतिहास रचते हुए कोपा अमेरिका टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में वेनेजुएला को पेनल्टी शूटआउट में हराकर पहली बार सेमीफाइनल में जगह बना ली है। एटीएंडटी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले नियमित समय तक दोनों टीमों के 1—1 से बराबरी पर रहने के बाद कनाडा ने पेनल्टी शूटआउट में 4—3 से जीत हासिल की। खेल के 13वें मिनट में जैकब शैफेलबर्ग ने कनाडा को बढ़त दिला दी। टीम के पास अपनी बढ़त को और बढ़ाने के कई मौके थे लेकिन वह फिर से प्रतिद्वंद्वी के डिफेंस को तोडऩे में सक्षम नहीं हो पाई। कनाडा ने अपराजित वेनेजुएला टीम के खिलाफ तब तक अपनी पकड़ बनाए रखी जब तक कि सॉलोमन रोंडन, फॉर्म में चल रहे खिलाड़ी ने 40 गज की दूरी से जबरदस्त चिप लगाई और गोलकीपर को परास्त कर 64वें मिनट में स्कोर बराबर कर दिया। उन्होंने टूर्नामेंट का अपना तीसरा गोल स्कोर किया। पूर्ण समय की सीटी 1—1 पर बजने से मैच सीधे पेनल्टी शूट आउट में चला गया क्योंकि टूर्नामेंट के इस चरण में अतिरिक्त समय नहीं खेला जाता है। पेनल्टी शूटआउट देखना रोमांचकारी था क्योंकि दोनों पक्ष अपने विरोधियों को प्रतिबिंबित कर रहे थे। दोनों टीमों ने अपना पहला, तीसरा और पांचवां प्रयास भुनाया, जबकि साथ ही अपने दूसरे और चौथे शॉट को चूक गए, जिससे शूटआउट सडन डेथ में चला गया।विल्कर एंजेल का पेनल्टी मैक्सिम क्रेप्यू ने बचा लिया और इस्माइल कोन ने शूटआउट 4—3 से जीतने का अगला मौका भुनाने में कोई गलती नहीं की। जेसी मार्श की टीम टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार खेल रही है और अब वह टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में है जहां उनका मुकाबला अर्जेंटीना से होगा। यह कनाडाई फुटबॉल के लिए एक अच्छा संकेत है क्योंकि संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा 2026 फीफा विश्व कप की संयुक्त मेजबानी करने वाले हैं।

भाबर को जोड़ने वाला मोटाढांक-हल्दूखाता वैकल्पिक मार्ग चढ़ा नदी की भेंट

• मालन पुल ढहने के बाद करोड़ों की लागत से बनाया गया था वैकल्पिक मार्ग

नदी की भेंट चढ़ा भाबर को जोड़ने वाला तल्ला मोटाढांक-हल्दूखाता वैकल्पिक मार्ग

राष्ट्रीय राजमार्ग पर कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य आए मलबे को हटाने में जुटी मशीनें

सिगड्डी क्षेत्र में मार्ग पर नदी के रूप में बहता पानी

कोटद्वार के झंडाचौक में पानी बढ़ने से बही स्कूटी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार व आसपास के क्षेत्र में बारिश ने खूब तबाही मचाई। शुक्रवार रात से जारी बारिश से भाबर को जोड़ने के लिए मालन नदी पर बना तल्ला मोटाढांक-हल्दूखाता वैकल्पिक मोटर मार्ग भी नदी की भेंट चढ़ गया। मालन पुल ढहने के बाद कोटद्वार व भाबर को जोड़ने के लिए यह वैकल्पिक मार्ग तैयार किया गया था। वैकल्पिक मार्ग बहने से भाबर वासियों की परेशानी बढ़ गई है।

मालूम हो कि गत वर्ष हुई तेज बारिश से मालन पुल ढह गया था। प्रशासन की ओर से भाबर क्षेत्रवासियों के आवागमन के लिए तल्ला मोटाढ़ाक-हल्दूखाता मोटर मार्ग पर मालन नदी में ह्यूम पाइप डालकर वैकल्पिक मार्ग तैयार किया गया था। लेकिन शुक्रवार रात से जारी बारिश के कारण नदी में आए तेज बहाव से वैकल्पिक मार्ग भी क्षतिग्रस्त हो गया है। दूसरी ओर भाबर क्षेत्र की जनता मालन पुल को समय पर बनवाने की लगातार गुहार कर रही थी, लेकिन प्रशासन के लचर रवैये के कारण पुल नहीं बन पाया। ऐसे में अब बारिश के दौरान मवाकोट-कण्वाश्रम मोटर मार्ग ही एकमात्र वैकल्पिक मार्ग रह गया है, जिस पर हल्के वाहनों की आवाजाही को अनुमति है। वर्षाकाल में भाबर व कोटद्वार को जाने वाले भारी वाहनों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य एनएच हुआ बंद

वर्षाकाल में कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग सबसे अधिक चुनौती बन रहा है। बारिश के कारण शुक्रवार रात में राष्ट्रीय राजमार्ग पर कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य बोल्डर व मलबा आने के कारण बंद हो गया था। सुबह करीब साढ़े आठ बजे राजमार्ग को यातायात के लिए खोला गया। लेकिन, ग्यारह बजे से क्षेत्र में फिर तेज बारिश शुरू हो गई। जिस कारण राजमार्ग को पुनः वाहनों के आवागमन को बंद कर दिया गया। राजमार्ग बंद होने के कारण दो सौ से अधिक वाहनों में सवार यात्री दुगड्डा व कोटद्वार में फंस गए।

नदी व गदेरे उफान पर

शनिवार दोपहर बारिश के कारण क्षेत्र की नदियां व नाले उफान पर बने हुए थे। मालन नदी, सुखरो नदी, खोह नदी, कोल्हू नदी सहित तेली स्त्रोत गदेरा, पनियाली गदेरा, बहेड़ा स्त्रोत गदेरा सहित अन्य बरसाती गदेरों में पानी का जल स्तर बढ़ गया। ऐसे में नदियों व गदेरों के आसपास रहने वाले लोगों की सांसें अटकी हुई थी।

तालाब बनी सड़कें

शनिवार सुबह हुई तेज बारिश से क्षेत्र की सड़कें तालाब में तब्दील हो गई। सबसे बुरी स्थिति झंडाचौक की बनी हुई थी। पानी का वेग बढ़ने से सड़क किनारे खड़े दोपहिया वाहन भी बहने लगे थे। वहीं स्टेशन रोड में व्यापारियों की दुकानों में पानी घुस गया।

सिम्मलचौड़ न्यायालय के समीप भी भारी जल भराव देखने को मिला। काशीरामपुर, मानपुर, पदमपुर, सिम्मलचौड़ सहित कई स्थानों पर घरों के भीतर मलबा भर गया था।

एक नजर

आरोपी को कोर्ट ने सुनाई दो साल की सजा, लगाया 29.50 लाख का दंड

श्रीनगर गढ़वाल : न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीनगर ने व्यापारी से जालसाज करने के मामले में एक आरोपी को दो साल की सजा सुनाने के साथ ही 29.50 लाख रुपए का दंड लगाया है।

मामले की पैरवी कर रहे अधिवक्ता विकास कठैत ने बताया नजीबाबाद निवासी जावेद हुसैन पुत्र अफसर हुसैन मार्च 2022 में शिवम कंप्यूटर्स के स्वामी शिवम अग्रवाल से मिला। उन्होंने बड़ी मात्रा में कंप्यूटर, प्रिंटर तथा टैब की डिमांड उनसे की और यह आश्वासन दिया कि समय पर भुगतान कर दिया जाएगा। मार्च से अप्रैल के बीच उक्त जालसाज ने शिवम अग्रवाल से लगभग 1.50 से 2 करोड़ तक का सामान खरीदा। जिसकी कई किश्तों का भुगतान मई 2022 तक किया गया। लेकिन मई माह के बाद जावेद अचानक इस बात से मुकर गया कि उसका शिवम् के साथ कोई लेन-देन है। पैसे देने को लेकर कई बार आग्रह के बाद जब जावेद नहीं माना। जिसके बाद पीड़ित ने इसकी शिकायत कोतवाली श्रीनगर में दी। जिसके बाद आरोपी ने 28 जुलाई 2022 को कैनरा बैंक का एक चेक दिया। इस चेक को जब बैंक में लगाया गया, तो यह पर्याप्त धनराशि न होने पर बाउंस हो गया। पैसे न देने से परेशान व्यापारी ने सितंबर 2022 को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्रीनगर गढ़वाल की अदालत में केस दायर किया। बताया कि कोर्ट ने मामले में दोनों पक्षों को सुनने के बाद न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीनगर ने जावेद को दोषी करार देते हुए 29 लाख 50 हजार रुपए का दंड लगाते हुए दो साल कैद की सजा सुनाई है। (एजेंसी)

डीएम के आदेश के बाद भी शिफ्ट नहीं हुई तहसील, ग्रामीण नाराज

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : लगातार हो रही बारिश से बीरोंखाल तहसील मुख्यालय स्यूंसी के भवन की छत जगह-जगह टपक रही है। जिस कारण वहां रखे कंप्यूटर एवं महत्वपूर्ण दस्तावेज आदि सामान खराब हो रहा है। जिलाधिकारी ने पूर्व में एसडीएम श्रीनगर को आपदा की दृष्टि को देखते हुए तहसील को बीरोंखाल पयर्टन आवास गृह में शिफ्ट करने के निर्देश दिए थे। लेकिन अभी तक तहसील शिफ्ट नहीं होने पर क्षेत्रीय ग्रामीणों में प्रशासन के खिलाफ नाराजगी हैं।

बीरोंखाल व्यापार मंडल विकास समिति अध्यक्ष डा. जेएस नेगी, सुदर्शन सिंह, संजय रावत आदि ने बताया कि स्यूंसी तहसील भवन की पूरी छत बारिश से टपक रही है। जिससे वहां रखे कंप्यूटर एवं महत्वपूर्ण अभिलेख आदि सामान खराब हो रहा है। वहीं छत टपकने से वहां तैनात कर्मचारी भी परेशान हैं। उधर बीरोंखाल तहसील का कार्यभार देख रही श्रीनगर एसडीएम नुपुर वर्मा से संपर्क करने पर बताया कि जिलाधिकारी ने आपदा की दृष्टि एंव बरसात को देखते हुए कुछ समय के लिए तहसील को बीरोंखाल पर्यटन आवास गृह में शिप्ट करने के निर्देश दिए हैं। पौड़ी जिलाधिकारी आशीष चौहान ने बताया कि स्यूंसी तहसील भवन की छत बारिश के पानी से जगह-जगह टपकने की जानकारी मिली है। एसडीएम को आपदा की दृष्टि को देखते हुए फिलहाल तहसील को बीरोंखाल टीआरएच में शिप्ट करने के निर्देश दिए गए हैं।

दिग्विजय सिंह कीर्ति चक्र से सम्मानित

श्रीनगर गढ़वाल : मणिपुर में खुफिया नेटवर्क स्थापित कर घाटी के विद्रोही समूहों (वीबीआईजी) की हमले की योजना को ध्वस्त कर वीआईपी को बचाने के लिए 21 पैरा (स्पेशल फोर्सेज) के ट्रूप कमांडर मेजर दिग्विजय सिंह रावत को कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया। शुक्रवार को दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में आयोजित रक्षा अलंकरण समारोह में देश की महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मेजर दिग्विजय सिंह रावत को कीर्ति चक्र से सम्मानित किया। (एजेंसी)

युवाओं के पास वायुसेना में जाने का मौका, 8 जुलाई से करें आवेदन

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : भारतीय वायु सेना में भर्ती होने वाले युवाओं के लिए खुशखबरी है। महिला और पुरुष अग्निवीरों की भर्ती के लिए 8 जुलाई से ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। विंग कमांडर विशाल चोपड़ा ने बताया कि महिला और पुरुष अग्निवीरों की भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 8 जुलाई से शुरू होगी। कहा कि वायु सेवा में अग्निवीरों की भर्ती के लिए पात्र (अविवाहित) महिला व पुरुष उम्मीदवार वेब पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण करा सकते हैं। कहा कि ऑनलाइन पंजीकरण करने वाले अभ्यर्थियों की 18 अक्तूबर, 2024 को ऑनलाइन परीक्षा शुरू होगी।

आमसौड़ में दरका पहाड़ी का हिस्सा, बड़ा हादसा टला

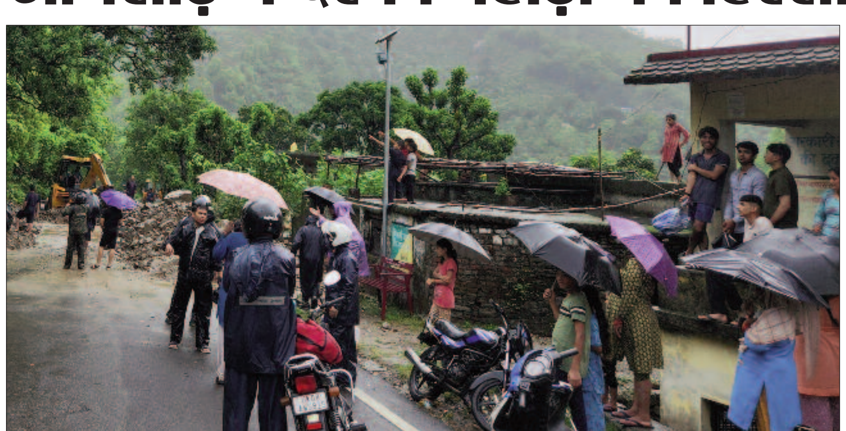
आमसौड़ में पहाड़ी से मलबा आने से बाद सड़क पर पहुंचे ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : वर्षाकाल में आमसौड़वासियों की चुनौतियां एक बार फिर बढ़ गई है। शनिवार दोपहर क्षेत्र में हुई तेज बारिश से ऊपरी पहाड़ी का एक हिस्सा दरककर राष्ट्रीय राजमार्ग पर आ गया। गनीमत यह रही की घटना के दौरान आसपास कोई नहीं था। जिससे एक बड़ा हादसा होने से बच गया। वहीं, आमसौड़ में पानी का स्त्रोत भी मलबे के नीचे दब गया। समीप ही मौजूद एक सीएचसी सेंटर में भी मलबा घुस गया।

गत वर्षा काल में भी आमसौड़ गांव के ऊपर पहाड़ी से भारी बोल्डर गिरे थे। जिसके बाद पुलिस व प्रशासन ने रात के समय पहुंचकर 25 भवनों को खाली करवाया था। कई दिन तक यह परिवार अपने रिश्तेदारों के घर में शरण लेकर रहे। लगातार बढ़ रही परेशानी के बाद ग्रामीण उनके विस्थापन की मांग उठा रहे थे। लेकिन, प्रशासन ने उनकी सुध नहीं ली। नतीजा इस वर्ष दोबारा वर्षा ने ग्रामीणों की चुनौती बढ़ा दी है।

अन्य शिफ्ट होने को कहा

आमसौड़ के ऊपर पहाड़ी से गिर रहे बोल्डर को देखते हुए पुलिस व प्रशासन ने ग्रामीणों को अन्यत्र शिफ्ट होने के लिए कहा है। वहीं, ग्रामीणों ने प्रशासन पर उनकी अनदेखी का भी आरोप लगाया। ग्रामीणों का कहना था कि वह पिछले एक वर्ष से लगातार उन्हें अन्यत्र विस्थापित करने की मांग उठा रहे हैं। लेकिन, उनकी समस्या को गंभीरता से नहीं लिया गया। ऐसे में बरसात के समय वह अपने परिवार के साथ कहां जाए यह एक बड़ी चुनौती है।

शनिवार दोपहर हुई बारिश से आमसौड़ से ऊपर से दरकी पहाड़ी

शनिवार को अचानक हुई बारिश से पहाड़ी का एक बड़ा हिस्सा टूटकर मलबे के रूप में राष्ट्रीय राजमार्ग पर आ गया। आमसौड़ गांव में ऊपर झवाण की पहाड़ी से आए भारी मलबे की चपेट में आने से पानी का स्त्रोत बह गया। वहीं, पहाड़ी का मलबा समीप ही स्थित एक सीएचसी सेंटर में भी घुस गया। आनन-फानन में ग्रामीणों ने सीएससी सेंटर के अंदर फैले मलबे को हटाकर वहां रखे सामान को अन्यत्र शिफ्ट किया। मौके पर पहुंची प्रशासन व पुलिस की टीम ने पहाड़ के नीचे घरों में रहने वाले परिवारों को अन्यत्र शिफ्ट होने के लिए कहा। वहीं, सड़क पर आए मलबे को हटाने के लिए भी जेसीबी मशीन लगी हुई थी। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद मलबे को हटाया गया। वहीं, दुर्गा देवी मंदिर व आमसौड़ के मध्य भी पहाड़ का एक हिस्सा राष्ट्रीय राजमार्ग पर आ गया।

आमसौड़ व दुर्गा देवी मंदिर के समीप पहाड़ी से आया मलबा

अलकनंदा नदी खतरे के निशान से दो मीटर नीचे बह रही

श्रीनगर गढ़वाल : ऊपरी इलाकों में बारिश होने के चलते अलकनंदा नदी उफान पर है। शनिवार सुबह से ही अलकनंदा नदी खतरे के निशान से 2 मीटर नीचे 534 मीटर पर बह रही थी। श्रीनगर में अलकनंदा नदी का खतरे का निशान 536 मीटर है। इसके साथ ही नदी का अलार्मिंग लेवल 535 मीटर है। वहीं अलकनंदा का जल स्तर बढ़ने से श्रीनगर में शारदा स्नान घाट, अलकेश्वर घाट जलमग्न हो गए हैं। पुलिस प्रशासन लोगों को नदी किनारे न जाने को लेकर और पहाड़ पर सफर करने को लेकर सचेत कर रहा है। लोगों से लेंड स्लाइड जोन पर संभल कर स्थिति को देखकर ही यात्रा करने को कहा जा रहा है।

एसडीआरएफ की श्रीनगर प्रभारी मंजरी नेगी ने कहा कि अलकनंदा खतरे के निशान से दो मीटर नीचे 534 मीटर पर बह रही है।

पर्यावरण मित्र सहित वाहन चालकों की सेवा समाप्त करने की तैयारी

नगर निगम में बैठक लेते नगर आयुक्त वैभव गुप्ता

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम ने 85 पर्यावरण मित्रों सहित तीन वाहन चालकों की सेवाएं समाप्त करने की तैयारी कर दी है। साथ ही 11 प्रभारी पर्यावरण पर्यवेक्षकों को उनके मूल पद पर वापस भेजा गया है। शनिवार को नगर आयुक्त ने नगर निगम में तैनात 11 प्रभारी प्रर्यावरण पर्यवेक्षकों की कार्यों की समीक्षा की। जिसमें निर्णय लिया गया कि 11 प्रभारी पर्यावरण पर्यवेक्षकों को वापस उनके मूल पद पर भेजा जाएगा। नगर निगम में पर्यावरण पर्यवेक्षकों के रिक्त पद में प्रभारी पर्यावरण पर्यवेक्षकों की तैनाती हेतु नियमित पर्यावरण मित्रों की वरिष्ठता सूची, कार्यकुशलता के आधार पर तैयार की जाएगी। सफाई निरीक्षक सुनील कुमार द्वारा दी गई 85 पर्यावरण मित्रों की सेवा समाप्त किए जाने संबंधी आख्या पर भी चर्चा की गई। तय किया गया कि अभिनंदन फैसिलिटी को पत्र लिख 85 पर्यावरण मित्रों के स्थान पर नए पर्यावरण मित्र रखने को कहा जाएगा। यह भी तय हुआ कि नए पर्यावरण मित्रों के आने तक पूर्व में तैनात 85 पर्यावरण मित्र सेवा में बने रहेंगे। बैठक में नगर आयुक्त ने सफाई निरीक्षक सुनील कुमार से समय से पूर्व पार्किंग में वाहन खड़े करने वाले तीन वाहन चालकों की सेवा समाप्ति के लिए आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही स्वास्थ्य लिपिक किशन को नगर निगम में कार्यरत नियमित पर्यावरण मित्रों की वरिष्ठता सूची तैयार करने के निर्देश दिए गए।

नए आपराधिक कानूनों पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

चमोली : माननीय उच्च न्यायालय उत्तराखण्ड नैनीताल एवं माननीय उत्तराखण्ड़ न्यायिक एवं विधिक अकादमी भवाली के तत्वाधान् में जिला एवं सत्र न्यायालय चमोली-गोपेश्वर में जिला बार एसोसिएशन चमोली एवं तहसील बार एसोसिएशन जोशीमठ व पोखरी के समस्त अधिवक्तागण, जिला शासकीय अधिवक्तागण, विशेष लोक अभियोजक एवं विधि के छात्र व छात्रों हेतु नए आपराधिक कानूनों पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 2 जुलाई 2024 को माननीय जिला जज चमोली धर्म सिंह द्वारा शुभारंभ किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में माननीय जिला जज चमोली धर्म सिंह द्वारा नए आपराधिक कानूनों पर विशेष चर्चा की गई। इस कार्यक्रम के अन्य मास्टर टैनरों द्वारा नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन हेतु व्यख्यान दिये गये। इस उपलक्ष्य में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट चमोली छवि बंसल, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चमोली पुनीत कुमार, सिविल जज (जू0डि0)/न्यायिक मजिस्ट्रेट (आरएनएस) गोपेश्वर लवल कुमार वर्मा व अध्यक्ष जिला बार भरत सिंह रावत एवं अन्य अधिवक्तागण मौजूद रहे। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में 105 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। शनिवार को जिला न्यायालय गोपेश्वर में पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया गया। (एजेंसी)

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड़, लो0नि0वि0 पौड़ी

E Mail ID :- eepwdcdpauri@gmail.com, eecdpau.pwduk@gov.in, Fax & Phone No. (01368-222284)

पत्रांक 851/20ए0सी0 दिनांक 06/07/2024

निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी के द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु मोहरबन्द निविदायें दिनांक 08.08.2024 को अपराह्न 3.00 बजे तक निम्न कार्यालयों में आमंत्रित की जाती है। निविदा के साथ वांछित धरोहर धनराशि राष्ट्रीय बचत पत्र, डाकघर की पास बुक एवं शेड्यूल्ड बैंक की एफ.डी.आर. के रूप में मान्य होगी जो अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0 पौड़ी के पद नाम से बन्धक होगी। निविदा के साथ रूपये 1.00 का नान जूडिशियल स्टाम्प पेपर वैद्यता की शर्तों के साथ जिसके ऊपर रू0 1.00 के रसीदी टिकट सहित हस्ताक्षर होना अनिवार्य है।

निविदा प्रपत्र दिनांक 10.07.2024 से 07.08.2024 तक किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 10:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक निम्नलिखित कार्यालयों से प्राप्त की जा सकती हैं।

1. अधीक्षण अभियन्ता 12वॉ वृत्त लो0नि0वि0 पौड़ी
2. अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड लो0नि0वि0 पौड़ी
3. अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0 पौड़ी
4. अधिशासी अभियन्ता अस्थाई खण्ड लो0नि0वि0 कीर्तिनगर जिला टिहरी गढ़वाल।

निविदायें अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0 पौड़ी के कार्यालय में दिनांक 08.08.2024 को अपराह्न 3:30 बजे टैण्डर खोलने हेतु गठित समिति द्वारा उपस्थित निविदा दाताओं अथवा उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा का मूल्य	निविदा की वैद्यता	कार्य पूर्ण करने का समय	ठेकेदार की श्रेणी।
1	2	3	4	5	6	7
1	डिपोजिट मद (जिला योजना वर्ष 2022-23) के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी कार्यालय के नवीन भवन में अतिरिक्त कक्ष के अवशेष कार्यों का निर्माण कार्य।	63000.00	2000.00 +GST	120 दिन	6 माह	डी. एवं उच्चर भवन कार्य हेतु।

नोट :- अधोहस्ताक्षरी को बिना कारण बताये किसी भी निविदा अथवा समस्त निविदाओं को निरस्त/स्थगित करने का अधिकार सुरक्षित है, एवं निविदा क्रय करते समय पंजीकरण की फोटो प्रति अवश्य साथ लायें।

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0 पौड़ी

एक नजर

बनतोली में अस्थाई पुल पर बह रही ऊपनती नदी

रुद्रप्रयाग : द्वितीय केदार भगवान मद्महेश्वर के पैदल यात्रा मार्ग में बनतोली अस्थाई पुल पर उफनती सरस्वती नदी का पानी बह रहा है। ऐसे में यहां आवाजाही करना किसी खतरे से खाली नहीं है। बीते साल आपदा में पुल बहने के बाद अभी तक लकड़ी के पुल के सहारे द्वितीय केदार की यात्रा संचालित हो रही है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने सुरक्षा की दृष्टि से शीघ्र पुल निर्माण और बनतोली में सुरक्षाकर्मी तैनात करने की मांग की है। (एजेंसी)

भाजपा ने बदरीनाथ की जनता पर उपचुनाव का बोझ लादा : मैखुरी

चमोली : भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले) के राज्य सचिव इंद्रेश मैखुरी ने शनिवार को कहा कि बदरीनाथ विधानसभा के उपचुनाव का बोझ भाजपा ने बदरीनाथ की जनता पर लादा है। इस उपचुनाव की कोई आवश्यकता नहीं थी लेकिन भाजपा की तोड़-फोड़ की राजनीति का ही परिणाम है कि एक उपचुनाव जनता के उपर थोपा गया है। शनिवार को गोपेश्वर में आयोजित प्रेसवार्ता में मैखुरी ने कहा कि कल तक भाजपा जिस व्यक्ति पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाती थी। आज उसी को वह विधानसभा भेजने के लिए जोर लगाए हुए हैं। कहा भाजपा ने जिस व्यक्ति को अपना प्रत्याशी बनाया है, वह सरेआम कह रहे हैं कि काम नहीं हो पा रहे थे, इसलिए उन्होंने दल बदल किया है। मैखुरी ने तंज करते हुए कहा ऐसे व्यक्ति को टिकट दे कर भाजपा ने उनकी बात को भी मौन स्वीकृति दे दी है कि वह विपक्षी विधायकों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार करती है। (एजेंसी)

थराली और देबाल ब्लॉक में बिजली आपूर्ति ठप

चमोली : पिछले दो दिनों से रुक-रुक कर हो रही बरसात से पिंडर घाटी के लोगों का जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। भारी वर्षा के कारण जहां पिण्डर नदी अपने उफान पर है वहीं क्षेत्र से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग और गांव की ओर चलने वाली पैदल पगडंडियों पर मलबा आने से यातायात प्रभावित हुआ है।

गरीबों का जीवन बेहतर बनाने के लिए लगातार काम कर रही सरकार : धामी

मुख्यमंत्री नमक पोषण योजना का सीएम धामी ने किया शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को हिमालयन सांस्कृतिक केन्द्र, नींबूवाला, देहरादून में 'मुख्यमंत्री नमक पोषण योजना' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने 'मुख्यमंत्री नमक पोषण योजना' के लाभार्थियों को आयोडाईज्ड नमक वितरण किया। इस योजना के तहत अंत्योदय और प्राथमिक परिवार योजना के लगभग 14 लाख राशन कार्ड धारकों को प्रति माह 8 रूपये प्रति किलो की दर से आयोडाईज्ड नमक उपलब्ध करवाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार प्रदेश के हर गरीब और समाज के अन्तिम छोर के व्यक्ति का जीवन बेहतर और सार्थक बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के अंतर्गत संपूर्ण देश में निःशुल्क राशन वितरण किया जा रहा है। यह योजना लगातार अगले 5 सालों तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चलती रहेगी। इस योजना के अंतर्गत उत्तराखंड के 14 लाख गरीब परिवारों को हर महीने मुफ्त राशन का लाभ मिल रहा है। राज्य सरकार जनता को शुद्ध और बेहतर पोषणयुक्त राशन देने के लिए संकल्पबद्ध है। हमारी प्राथमिकता पारदर्शी प्रणाली को स्थापित करना है। उन्होंने कहा कुछ लोगों द्वारा फोर्टिफाइड चावल को प्लास्टिक का चावल बताकर आमजन को भ्रमित किया जा रहा था, जो कि पूर्ण रूप से असत्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाएं शहरों से लेकर पर्वतीय क्षेत्र के अंतिम गांव तक पहुंच रही हैं। राज्य में गरीबी रेखा से बाहर निकलने के मामले में पर्वतीय जनपदों का बेहतर प्रदर्शन है। कहा कि उन्होंने गांव में रहते हुए गरीबों के संघर्ष को करीब से देखा है। राज्य सरकार विकल्प रहित संकल्प के साथ राज्य के प्रत्येक गरीब के विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर काम कर रही है। राज्य में गरीब, महिला, युवा के साथ ही प्रत्येक वर्ग के लिए योजनाएं संचालित हो रही हैं। कैबिनेट मंत्री श्रीमती रेखा आर्य ने कहा कि मुख्यमंत्री नमक पोषण योजना गरीबों परिवारों की आवश्यकताओं को पूर्ण करने का एक प्रयास है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने गरीबों की परेशानियों को दूर करते हुए गरीब कल्याण अन्य योजना को लागू की। मुफ्त खाद्यान्न योजना से गरीब परिवारों के भरण-पोषण मदद मिलती है।

बारिश से रुद्रप्रयाग की 20 ब्रांच सड़कें बंद

रुद्रप्रयाग : जनपद में हो रही लगातार बारिश के चलते राष्ट्रीय राजमार्गों के साथ ही ब्रांच सड़कें बंद हो रही हैं। इससे ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सबसे ज्यादा मुश्किलें बीमार लोगों को अस्पताल तक पहुंचाने की है। जबकि रोजमर्रा के कामों के लिए बाजार आने वाले ग्रामीण भी परेशान है। प्रशासन के निर्देशों पर सभी मोटर मार्गों पर जेसीबी लगाकर मार्ग खोलने का काम जारी है। दो दिन से हो रही बारिश से अब जन जीवन प्रभावित होने लगा है। जनपद में 20 ब्रांच सड़कों पर अनेक जगहों पर मलबा आने के कारण आवाजाही ठप हो गई है। हालांकि प्रशासन द्वारा रुद्रप्रयाग, ऊखीमठ और जखोली में लोनिवि के साथ ही पीएमजीएसवाई के अधिकारियों को त्वरित जेसीबी लगाकर मार्ग खोलने के लिए निर्देशित किया गया है किंतु लगातार हो रही बारिश से मार्ग खोलने में भी दिक्कतें आ रही हैं। आधा दर्जन से अधिक मार्ग को शनिवार शाम तक खोलने का प्रयास चल रहा है। (एजेंसी)

टीएचडीसी के खिलाफ दर्ज करवाएंगे मुकदमा

चमोली : किसान नेता भोपाल सिंह चौधरी ने शनिवार को कहा है कि देवप्रयाग और टिहरी के बीच गंगा को निर्जल करने के मामले में वह टीएचडीसी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराएंगे। जोशीमठ में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उन्होंने 6 जुलाई से देवप्रयाग संगम पर आमरण अनशन करने की चेतावनी दी थी इसके बाद टिहरी बांध की कंपनी टीएचडीसी ने भागीरथी में पानी छोड़ा है इसलिए प्रथम प्रयाग विष्णुप्रयाग की नगरी जोशीमठ में में आकर वे अपने उपवास के कार्यक्रम को स्थगित कर रहे हैं। (एजेंसी)

ओएनजीसी के पूर्व अफसर से जमीन के नाम पर 4.75 लाख हड़पे

देहरादून। ओएनजीसी के एक सेवानिवृत्त अफसर से जमीन के नाम पर 4.75 लाख रुपये की धोखाधड़ी की गई। आरोपी ने फर्जी दस्तावेज भेजकर उन्हें झांसे में लिया। बसंत विहार थाने में एक व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। बसंत विहार थानाध्यक्ष महादेव उनियाल के अनुसार ओएनजीसी के पूर्व मुख्य महाप्रबंधक ने तहरीर दी कि 18 जुलाई 2023 को गुरबचन सिंह निवासी विकासनगर उन्हें मिलने घर आया था।

उसने साईंलोक कालोनी, कांवली देहरादून में एक जमीन खरीदने का प्रस्ताव दिया। उसने बताया कि जमीन देविका बत्ता की है। जमीन की कीमत 1.20 करोड़ बताई गई। सौदा तय होने के बाद 18 जुलाई को ही उन्होंने एक लाख रुपये गुरबचन के खाते में ट्रांसफर किए। 26 जुलाई को गुरबचन उनसे एक लाख का एक चैक ले गया। उसने कहा कि देविका बत्ता के सभी दस्तावेज लॉकर में रखे हैं। जल्द ही एग्रीमेंट करा दिया जाएगा। फिर उनसे 50–50 हजार की दो किश्तों में एक लाख रुपये लिए। उन्होंने बताया कि 19 सितंबर 2023 को गुरबचन ने उन्हें व्हाट्सएप के जरिए देविका बत्ता के नाम का 100 रुपये का स्टांप भेजा। बाद में उसने मूल स्टांप दिखाकर कहा कि वो देविका बत्ता के घर जाकर अनुबंध बनवा देगा। इसकी एवज में उनसे 50 हजार रुपये और लिए। आरोप है कि इस तरह उनसे कुल 4.75 लाख रुपये लिए गए। उन्होंने बताया कि 01 अक्तूबर को उन्होंने जमीन के बारे में पूछताछ की तो पता चला देविका बत्ता जमीन दूसरे व्यक्ति को बेच चुकी हैं। उन्होंने इस संबंध में जब गुरबचन से बात की तो उसने कहा कि वो देवकी बत्ता की दूसरी जमीन दिला देगा।

डीएम ने टिहरी बांध प्रभावित ग्रामीणों की शिकायतें सुनी

नई टिहरी : डीएम मयूर दीक्षित ने शनिवार को टिहरी बांध प्रभावित चोपड़ा और मदननेगी के ग्रामीणों की बैठक ली। बैठक में डीएम ने ग्रामीणों की शिकायतों का निस्तारण करते हुए कहा कि प्रशासन के स्तर पर ग्रामीणों को हर संभव उचित सहायता दी जायेगी। जिला सभागार में आयोजित बैठक में डीएम से चोपड़ा के ग्रामीणों ने शिकायत कर बताया कि टीएचडीसी द्वारा चोपड़ा की अधिग्रहित भूमि का प्रतिकर 19 खातेदारों को ही दिया गया। जबकि उसमें अन्य का भी हिस्सा था। जांच कराने की मांग भी की। जिसे लेकर महाप्रबन्धक टीएचडीसी विजय सहगल ने बताया कि वर्ष 2005 में चोपड़ा में अधिग्रहण भूमि का पुनर्वास नीति के तहत 19 काश्तकारों में से 7 पात्र खाताधारकों को पूर्ण भुगतान तथा शेष को नियमानुसार आंशिक भुगतान किया गया है। जिसका शपथ पत्र भी उपलब्ध है।

बड़े वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में उभर रहा है उत्तराखंड : महाराज

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून। उत्तराखंड का नैसर्गिक सौंदर्य हमेशा से देश दुनियां के पर्यटकों को आकर्षित करता रहा है। प्रदेश वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में एक आदर्श गंतव्य बनकर उभर रहा है।उक्त बात प्रदेश के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने उत्तराखंड पर्यटन और मांगल डॉट कॉम द्वारा एक स्थानीय होटल में आयोजित मंत्रमुग्ध शादियां थीम पर आधारित वेडिंग कांक्लेव के आयोजन अवसर पर पर कहीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उत्तराखंड में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए विभिन्न पर्यटन गतिविधियों के साथ-साथ प्रदेश को एक आदर्श विभाग गंतव्य के रूप में विकसित करने का लगातार प्रयास कर रही है। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि उत्तराखंड पर्यटन विभाग और मांगल डॉट कॉम द्वारा आयोजित यह वेडिंग कांक्लेव निश्चित रूप से प्रदेश को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में उभारने के साथ-साथ देश के लोगों को यहां शादी के आयोजन करने के लिए प्रोत्साहित करेगा ऐसा उन्हें पूर्ण विश्वास है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड देवभूमि होने के साथ-साथ यहां का नैसर्गिक सौंदर्य, जलवायु, संस्कृति और आतिथ्य सत्कार ऐसे कई कारण हैं जो शादियों के लिए विशेष अवसर प्रदान करते हैं। विवाह के लिए यहां पर विश्व स्तरीय होटल, लग्जरी रिजॉर्ट, होमस्टे और कई ऐतिहासिक स्थल हैं जहां पर आप और आपके मेहमानों के लिए आरामदायक और लग्जरी सुविधाएं हैं। इसलिए उत्तराखंड वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में सबसे उचित एवं सुरक्षित स्थान है। इतना ही नहीं इस प्रकार के आयोजनों से एक और जहां प्रदेश में पर्यटकों की आवाजाही बढ़ेगी वहीं दूसरी और स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। श्री महाराज ने कहा कि प्रदेश में त्रियुगी नारायण जैसा पौराणिक वेडिंग डेस्टिनेशन है जहां पर भगवान शिव-पार्वती का विवाह सम्पन्न हुआ था। इसके अलावा जिम कॉर्बेट, नैनीताल, कौसनी, भीमताल, मसूरी, देहरादून, ऋषिकेश और लैंसडाउन आदि अनेक वेडिंग डेस्टिनेशन भी हैं। श्री महाराज ने कहा कि उत्तराखंड में वेडिंग डेस्टिनेशन एक खूबसूरत सपने के सच होने जैसा है।

उत्तराखंड में आयोजित इन्वेस्टर्स सबमिट के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के लोगों को ह्यवेटिंग इंडियाह्ल मुहिम पर चलने की बात कहते हुए देवभूमि उत्तराखंड को एक बड़ा वेडिंग डेस्टिनेशन बताते हुए यहां शादी के आयोजन करने का भी आह्वान किया। इस अवसर पर रीवा महाराज पुष्पराज सिंह, मोहिना रावत, पर्यटन विभाग के निदेशक सुमित पंत, ऋतुराज खन्ना, रितिका राठी, रोमिल शाह, मौसमी पाल, प्रणय शाह, निधि सबलोक, सिद्धार्थ एस.कुमार, गौतम वल्ली, राहुल सक्सेना, तरुण जुयाल, पार्थ गर्ग, संजय शर्मा, संदीप साहनी, विजय भाटी, विजय बिष्ट, अनुमोद शर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

डोलिया देवी में दिन भर बंद रहा केदारनाथ हाईवे

रुद्रप्रयाग : दो दिनों की बारिश ने जनपद में जनजीवन प्रभावित कर दिया है। केदारनाथ हाईवे जगह-जगह पर मलबा आने के कारण बाधित हो रही है जबकि बदरीनाथ हाईवे पर भी कई जगहों पर मलबा और बोल्डर आने का खतरा बना है। शनिवार को केदारनाथ हाईवे डोलिया देवी में दिन भर बंद रहा। जबकि काकड़ागाड में 4 घंटे आवाजाही बंद रही।मानसूनी सीजन में हाईवे का बंद होने का क्रम जारी हो गया है। विशेष रूप से केदारनाथ हाईवे पर कई संवेदनशील स्थान सक्रिय हो गए हैं जहां हर साल हाईवे बार बार अवरुद्ध होता रहा है किंतु आज भी इसका स्थाई ट्रीटमेंट नहीं हो पा रहा है। शनिवार को केदारनाथ हाईवे काकड़ागाड में मलबा आने के कारण सुबह 8 बजे आवाजाही के लिए बाधित हो गया। एनएच लोनिवि द्वारा त्वरित ही जेसीबी लगाकर मलबा हटाने का काम शुरू किया गया। लगातार बारिश के चलते यहां दोपहर 12 बजे वाहनों की आवाजाही शुरू कराई जा सकी। जबकि केदारनाथ हाईवे पर ही फाटा के पास डोलिया देवी मंदिर में सुबह से ही हाईवे बंद रहा।

जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

नई टिहरी : जौनपुर ब्लॉक की सकलाना पट्टी के कुमाल्डा श्रीपुर में सेवा संस्था की ओर से शनिवार को साइकिल रैली के माध्यम से जल संरक्षण और पौधरोपण को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान वहां विभिन्न प्रजाति के पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। संस्था के जयकृष्ण उनियाल के संयोजन और ग्राम प्रधान संगीता पंवार की देखरेख में समाजसेवी हरिकृष्ण उनियाल, बाल संस्कार की बालिका और बालकों ने जागरूकता अभियान चलाया। उन्होंने पौधे लगाकर पर्यावरण का साफ और शुद्ध रखने की अपील की। इसके बाद साइकिल यात्रा मंजगांव के लिए रवाना हुई। इस बरसात के सीजन में संस्था की ओर से पूरे क्षेत्र में यह कार्यक्रम चलाया जाना प्रस्तावित है।

देश का भविष्य युवाओं के हाथ में है, यदि युवा भटकेगा तो देश भी भटकेगा : कोश्यारी

देहरादून। महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने शनिवार को गांधी पार्क में उम्रा फाउंडेशन द्वारा आयोजित नशा मुक्ति अभियान में युवा समाज को नशे की लत से दूर रहने का संकल्प दिलाया। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण भी किया। सीएम पुष्कर सिंह धामी की पहल पर ड्रग्स फ्री उत्तराखंड की मुहिम के तहत हुए इस आयोजन मे उन्होंने कहा कि देश का भविष्य युवाओं के हाथ में है, यदि युवा भटकेगा तो देश भी भटकेगा। देश की जितनी भी बड़ी बड़ी हस्तियां हुई हैं उन सभी ने नशे से दूर रहकर अपने संकल्प को दृढ़ निश्चय से पूरा किया। नशे की बुरी लत जीवन बर्बाद कर देती है, अपने लक्ष्य से डिगा सकती है। हमारे परिजन रामायण, महाभारत, विभिन्न प्रार्थनाएं, धर्मग्रंथ इसीलिए याद करवाते हैं चूंकि हम उनमें मौजूद आदर्श चरित्रों से प्रेरणा ले सकें। महात्मा गांधी का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि इंग्लैंड अध्ययन को जाते समय उन्होंने अपनी मां को नशे से दूर रहने का वचन दिया था। सिर्फ नशे से दूर रहने का नारा लगाने से कुछ नहीं होगा। इसलिए दिल से नशे से दूर रहने का संकल्प लेना होगा। इससे पहले हल्की फुल्की बारिश के बीच समाज सेवी विशाल गुप्ता के नेतृत्व में हुए आयोजन में सुबह छह बजे भारी संख्या में युवा वर्ग गांधी पार्क में एकत्र हुआ।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com